दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 173 | ग्वालियर मंगलवार 30 जून 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

दिल्ली, बिहार हाई अलर्ट
नेपाल बॉर्डर से घुस सकते हैं आतंकी निशाने पर बड़े राजनेता

पटना। कश्मीर में बार्डर पर सुरक्षाबलों की लगातार सख्ती से परेशान तालिबान और जैश-ए-मोहम्मद के कई आतंकवादी अब नेपाल बॉर्डर से देश में घुसपैठ की फिराक में हैं। मामले में बिहार स्पेशल ब्रांच ने राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट किया है। स्पेशन ब्रांच ने सभी एसपी/एसएसपी को पत्र भेजकर इससे अवगत कराया गया है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान की आईएसआई ने सेना द्वारा प्रशिक्षित 5-6 तालिबान और जैश आतंकवादियों को नेपाल की बॉर्डर से बिहार में भेजने की साजिश की है। इनके निशाने पर बड़े राजनेता और दिल्ली के इलाके हो सकते हैं। इसबीच खुफिया जानकारी के मुताबिक एनआईए के कंट्रोल रूम को धमकी भरा एक ई-मेल मिला है। इसमें आतंकियों की हिट लिस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के अन्य नेता शामिल हैं। ऐसे में

कश्मीरी आतंकवादियों, मुस्लिम कट्टरपंथियों जैसे कि जैश-ए-मोहम्मद, अल कायदा, तालिबान, अफगानिस्तान, जिहाद, आतंकवादी संगठन, इस्लामी आतंकवादी संगठन, वामपंथी चरमपंथी तत्वों, पूर्वोत्तर के विद्रोही गुटों, संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत है। ये तत्व वीवीआईपी की सुरक्षा को खतरा पहुंचा सकते हैं।

हिज़्बुल का टॉप कमांडर मसूद व दो अन्य आतंकी मुठभेड़ में ढेर, आतंक मुक्त हुआ डोडा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी के मारे जाने के बाद डोडा जिला भी आतंकवाद मुक्त हो गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, आज अनंतनाग के खुल चोहार में अनंतनाग पुलिस ने 19 आरआर सीआरपीएफ के साथ मिलकर लश्कर के दो आतंकवादियों और हिजबुल मुजाहिदीन के कमांडर मसूद को ढेर कर दिया। डोडा जिला अब पूरी तरह आतंकवाद मुक्त क्षेत्र बन गया है क्योंकि मसूद वहां सक्रिय आखिरी आतंकवादी था। प्रवक्ता ने कहा कि डोडा का रहने वाला मसूद जिले में बालात्कार के एक मामले में आरोपी था और तभी से फरार था। उन्होंने कहा बाद में वह हिजबुल मुजाहिदीन में शामिल हो गया और कश्मीर से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने लगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मुख्यमंत्री शिवराज, आधे घंटे से ज्यादा बैठक चली
आज हो सकता है शिवराज कैबिनेट का विस्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे से ज्यादा समय तक बैठक चली। पीएम आवास पर किस मुद्दे पर चर्चा हुई, इसे लेकर अब तक कोई बात सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि मंगलवार को शिवराज मंत्रिमंडल का विस्तार संभावित है, इसे लेकर बातचीत हुई है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मध्य प्रदेश के ताजा राजनीतिक हालातों के साथ राज्य में कोरोना के नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की चर्चा की। राज्य में गेहूं की खरीदी में रिकॉर्ड बनाने की रिपोर्ट भी दी। मुख्यमंत्री चौहान दो दिन के दिल्ली दौरे पर हैं। पीएम से मिलने के पहले शिवराज ने सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। इन नेताओं से मिलने के बाद शिवराज मीडिया के सामने कुछ नहीं बोले। कयास लगाए जा रहे हैं कि कैबिनेट विस्तार में 25 नए मंत्री बनाए जाएंगे। मंत्री बनने वालों की सूची को भी आलाकमान ने हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत भी दिल्ली गए हैं। शिवराज और सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच मुलाकात में मंत्रिमंडल के विस्तार और उसके संभावित नामों को लेकर चर्चा हुई। संभावना है कि मंत्रिमंडल विस्तार में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शामिल हो सकते हैं। सिंधिया ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 30 लाख का चेक भी सौंपा। इस पर मुख्यमंत्री ने धन्यवाद किया है। इस बीच, मध्य प्रदेश की कार्यवाहक

राज्यपाल बनाई गईं आनंदीबेन पटेल का आज यहां आने का कार्यक्रम रद्द हो गया। ऐसे में अगर वह मंगलवार को आईं तो पहले उन्हें राज्यपाल पद की शपथ दिलाई जाएगी। इसके बाद ही वह मंत्रिमंडल के सदस्यों को शपथ दिलाएंगी। इधर, मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा अचानक दिल्ली पहुंच गए। इसके बाद सरगर्मी तेज हो गई है। उन्हें ग्वालियर से भोपाल आना था, लेकिन वह दिल्ली चले गए।

इनको मिल सकती है जगह: भोपाल में भाजपा के आला नेताओं के साथ मंथन के बाद कुछ पुराने नामों को ड्रॉप भी किया गया है। लेकिन, राष्ट्रीय नेतृत्व उस पर अंतिम निर्णय लेगा। चर्चाओं के अनुसार, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह, रामपाल सिंह, यशोधरा राजे सिंधिया, राजेंद्र शुक्ला, गौरीशंकर बिसेन, जगदीश देवड़ा, गिरीश गौतम या केदार शुक्ल को विंध्य क्षेत्र से कैबिनेट में जगह मिल सकती है।

ये भी हैं दावेदार: ऑपरेशन लोटस के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विधायक संजय पाठक, अरविंद भदौरिया, रामेश्वर शर्मा और विश्वास सारंग को भी कैबिनेट में जगह मिलने की उम्मीद है। इंदौर से ऊषा ठाकुर या रमेश मेंदोला को जगह मिल सकती है। इसके अलावा, लल्लूराम वैश्य, नीना वर्मा, रामखिलावन पटेल, प्रेम सिंह पटेल, सुरेंद्र पटेल और पूर्व मंत्री हरिशंकर खटीक भी दावेदारों की सूची में शामिल हैं।

सिंधिया के 10 लोग शामिल हो सकते हैं: सिंधिया कैंप के 10 लोगों को शिवराज कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इमरती देवी, प्रद्युमन सिंह तोमर, महेंद्र सिंह सिसौदिया और प्रभुराम चौधरी का नाम तय है, क्योंकि ये लोग पूर्व में भी मंत्री ही थे। इसके अलावा, राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव, रणवीर सिंह जाटव, बिसाहूलाल सिंह, ऐंदल सिंह कंषाना और हरदीप सिंह डंग भी दावेदार हैं।

23 मार्च को शपथ ली थी: राज्य में मार्च माह के राजनैतिक घटनाक्रमों के चलते वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था और उनके समर्थक 22 विधायकों ने भी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 20 मार्च को पद से इस्तीफा दे दिया था और 23 मार्च को शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

29 मंत्री और बनाए जा सकते हैं: एक माह बाद अप्रैल में पांच मंत्रियों को शपथ दिलाकर मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल का गठन किया। इसके बाद मंत्रिमंडल का विस्तार होना था, लेकिन वह विभिन्न कारणों से लगातार टल रहा था। अब माना जा रहा है कि शीघ्र ही मंत्रिमंडल का विस्तार हो जाएगा। विधानसभा में सदस्यों की संख्या के हिसाब से राज्य में अधिकतम 35 मंत्री हो सकते हैं, जिनमें मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। इस तरह की मुख्यमंत्री अधिकतम 29 और लोगों को मंत्री बना सकते हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में ज्योतिरादित्य सिंधिया की राय को तवज्जो और उनके समर्थकों को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिए जाने की पूरी संभावना है।

देश में कोरोना चरम पर
संक्रमितों की संख्या साढ़े पांच लाख के पार

नई दिल्ली। कोरोना वायरस (कोविड-19) की वजह से महाराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु की स्थिति भयावह होती जा रही है, इन तीनों राज्यों में कोरोना से 329,978 लोग प्रभावित हो चुके हैं, जो देश में जानलेवा विषाणु की चपेट में आई कुल आबादी का 60.18 फीसदी है। महाराष्ट्र में जहां कोरोना से 164,626 लोग संक्रमित हुए हैं, वहीं दिल्ली में अभी तक 83,077 लोग तथा तमिलनाडु में 82,275 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 19,459 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 548,318 हो गई है। देश में महामारी से कुल 16475 लोगों की मौत हुई है, तथा 321723 कोरोना मुक्त हो चुके हैं। देश में कोरोना के 210,120 सक्रिय मामले हैं। देश में कोरोना का प्रकोप चरम पर है, पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 19 हजार से अधिक नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमितों का आंकड़ा साढ़े पांच लाख के करीब पहुंच गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 19,459 नए मामलों के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5,48,318 हो गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण से 380 लोगों की मौत हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 16,475 हो गई है। दूसरी तरफ इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है और इसी अवधि में 12,010 रोगी ठीक हुए है, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 3,21,723 मरीज रोगमुक्त हो चुके हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी तत्काल वापस ले सरकार: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार पर निशाना साधकर कहा कि देश के गरीबों, मजदूरों और मध्य वर्ग को राहत देने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों के दाम में वृद्धि तत्काल वापस ली जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी, बेरोजगारी और 'आर्थिक तूफान' के दौर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी करके सरकार आम जनता पर सीधी चोट कर रही है। गांधी ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया में चलाए गए स्पीक अप अगेंस्ट फ्यूल हाइक (पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ आवाज बुलंद करो) अभियान के तहत वीडियो संदेश जारी कर टिप्पणी की। उन्होंने कहा,कोरोना, बेरोजगारी और आर्थिक तूफान आया हुआ है। अमीरों को चोट लगी है, गरीबों को चोट लगी, गरीबों और मजदूरों को चोट लगी है।

दिल्ली के आईएलबीएस अस्पताल में बनेगा देश का पहला प्लाज्मा बैंक -केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना मरीजों को प्लाज्मा के लिए दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार ने लोगों की परेशानियों को देखते हुए आईएलबीएस अस्पताल में प्लाज्मा बैंक बनाने का फैसला लिया है। यह देश का पहला प्लाज्मा बैंक होगा, जो अगले दो दिनों में शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आईएलबीएस अस्पताल कोरोना अस्पताल नहीं है। कोरोना से ठीक हो चुके मरीजों को दोबारा संक्रमण होने की यहां संभावना नहीं है। प्लाज्मा दान करने वालों के आने -जाने की व्यवस्था सरकार करेगी। उन्होंने प्लाज्मा दान करने के लिए लोगों को प्रेरित करने में मीडिया से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। साथ ही कहा कि दिल्ली सरकार भी लोगों को फोन करके इसके लिए तैयार करेगी।

अलगाववादी नेता गिलानी ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से दिया इस्तीफा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से इस्तीफे की घोषणा की। एक ऑडियो संदेश में उन्होंने इसका ऐलान किया। सैयद अली शाह गिलानी ने कहा कि उन्होंने हुर्रियत से खुद को दूर कर लिया है। सैयद अली शाह गिलानी ने कहा, वर्तमान स्थिति को देखते हुए, मैं ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस से इस्तीफा देता हूं। मैंने हुर्रियत के सभी घटकों को फैसले के बारे में सूचित कर दिया है। अपने 90 साल के सैयद अली शाह गिलानी कई सालों से घर के भीतर नजरबंद हैं और पिछले कुछ महीनों से उनकी तबीयत बहुत नाजुक बताई जा रही है। पांच अगस्त 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर में लगातार बदल रहे राजनीतिक हालात के बीच यह अलगाववादी धड़े की सियासत का यह सबसे बड़ा घटनाक्रम है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

केन्द्रीय मंत्री तोमर ने मुरैना, श्योपुर संसदीय क्षेत्र के गांवों को जोड़ने हेतु 13 प्रमुख सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान
बिछेगा सड़कों का जाल, बनेंगी 13 प्रमुख सड़कें

मुरैना । जिले में 10 सड़कें, कुल लंबाई 134.24 किलोमीटर, कुल लागत 9418.92 लाख श्योपुर में 3 सड़कें, कुल लंबाई 39.85 किलोमीटर, कुल लागत 3365.04 लाख अपने पुराने संसदीय क्षेत्र ग्वालियर में सड़कों का जाल बिछाने के बाद अब मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र के प्रमुख गांवों को जोड़ने के लिये धरातल पर कार्यवाही की शुरुआत कर दी है. केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत मुरैना, श्योपुर संसदीय क्षेत्र के गांवों को जोड़ने हेतु 13 प्रमुख सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी है। श्री तोमर ने स्वयं संज्ञान लेते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में ऐसी सड़कों को शामिल किया है, जिनके कारण

संसदीय क्षेत्र की जनता को आवागमन में सुविधा होगी. 77मुरैना77 जिले में मुरैना पोरसा रोड एनएच-552 (जगनपुरा) से सिहोनिया वाया तुतवास सिकरोड़ी, बाबरीपुरा ककनमठ- किमी 20.90-150.5 लाख, अंबाह आरोली रोड-किमी 14.44 किलोमीटर लागत 1076. 59लाख, एनएच 552 चिरोंग से टोंक रोड मुरैना से सुमावली बाया खनेता-किमी 13.90किमी-972.41लाख, कैलारस पहाडग़ढ़ रोड से गोल्हारी वाया मामचौन-21.23 किमी, 1481.92 लाख, एमएस रोड से बधरेंठा वाया शहदपुर-10.65किमी-736.16लाख, पिपरोनिया रोड से परसोटा (केनाल रोड)-12.50किमी-557.34 लाख, एम एस रोड से एन एच-3 वाया मुरैना गांव हांसई-7.97 -999.82 लाख,रजौधा से एल एन रोड वाया सोठों खडिय़ा पोरसा-8.34 किमी-621.71 लाख, एम एस रोड से हीरापुर वाया गुरैमा-10.40किमी-718.59 लाख, तथा 77श्योपुर77 जिले में पाली रोड से सोंठवा-7.01किमी-501.45 लाख, पाली रोड से चंबल केनाल वाया बर्धा बुजुर्ग-5.30किमी-352.11लाख, श्यामपुर से ढोंढर वाया रघुनाथपुर टर्राकला-27.54किमी-2511.48 लाख.की राशि से सड़कों का बिछेगा जाल आदि शामिल है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर की टीम के द्वारा

कोरोना योद्धाओं को हुआ सम्मान

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर की टीम के द्वारा ग्वालियर जिले के अंदर वैश्विक महामारी कोरोना के समय में समाज को अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले कोरोना योद्धाओं को सम्मानित कर रहा है। क्योंकि इस समय सभी करोना योद्धाओं को एक मंच पर लाकर बड़ा आयोजन नहीं किया जा सकता इस कारण संगठन ने निर्णय लिया है कुछ करोना योद्धाओं को उनके ऑफिस या उनके निवास पर जाकर सम्मानित किया जाए। इसी क्रम में आज अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट ने अनामिका स्कूल के संचालक भाई शैलेंद्र सिंह राठौड़ जी का उनके स्कूल पर पहुंचकर सम्मान किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष आदरणीय गोपाल सिंह तोमर जी को जैसे ही यह जानकारी मिली कि शैलेंद्र भाई ने अपने स्कूल के अंदर 450 बच्चों की कोरोना के समय की फीस माफ कर दी है। जहा इस समय पूरा देश आर्थिक तंगी से गुजर रहा है ऐसे में उनके द्वारा उठाया गया यह कदम उनके स्कूल के बच्चों के परिवार को बहुत बड़ी सहायता है जहां हम एक और देखते हैं की प्राइवेट स्कूल वाले ऑनलाइन पढ़ाई के नाम पर पेरेंट्स और बच्चों के साथ ठगी कर रहे हैं ऐसे समय में भाई शैलेंद्र सिंह के द्वारा उठाया गया कदम बेहद ही सराहनीय है और अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट भाई शैलेंद्र सिंह राठौड़ जी को दिल से सलाम करती है आज कोटेश्वर मंदिर स्थित अनामिका स्कूल पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि ट्रस्ट के राष्ट्रीय महामंत्री आदरणीय प्रशांत सिंह परमार जी थे कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष भाई गोपाल सिंह तोमर जी ने की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सभी लोगों से कहा है की भाई शैलेंद्र सिंह राठौर जी के प्रयासो से हमें प्रेरणा मिलती है कि हम सब भी अपने समाज के लिए और अपने देश के लिए अपना अमूल्य योगदान दें,एवं आप सभी से अपील करता हूं कि आप सबकी निगाह में और भी पुलिसकर्मी , मेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मी, मीडिया जगत के लोग या कोई समाज सेवी संगठन या व्यक्ति जिसने कोरोना महामारी के समय में देश को और समाज को अपना उल्लेखनीय योगदान दिया हो तो ऐसे व्यक्तियों का नाम संगठन तक पहुंचाया जाए जिससे कि संगठन उनका सम्मान कर सकें। आज के कार्यक्रम में भाई शैलेंद्र सिंह राठौड़ जी को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर उनके साथ करीब 50 लोगों ने संगठन की सदस्यता ली। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सदस्यों में बड़े भाई देवेंद्र सिंह सेंगर जी, रविकांत भदोरिया जी, राहुल प्रताप सिंह परमार जी, राम तोमर जी, मीनू सिंह तोमर जी, गोलू चौहान जी, कविश परमार जी, सनी राजावत जी, शिवम परमार जी, दीपू भदोरिया जी, मोनू राठौर जी, अजीत सिंह राजावत जी, एवं क्षत्रिय समाज के लोग उपस्थित रहे।

लॉकडाउन से प्रभावित हुए पथ व्यवसाइयों को रोजगार से जोड़ रही है सरकार

शहरी असंगठित कामगार पोर्टल में ग्वालियर-चंबल संभाग के 96,285 पथ व्यवसायी पंजीकृत

ग्वालियर। वैश्विक महामारी कोविड-19 से बचाव के उद्देश्य से लागू किए गए लॉकडाउन से प्रभावित हुए पथ व्यवसाइयों को प्रदेश सरकार द्वारा फिर से रोजगार से जोड़ा जा रहा है। पथ व्यवसायियों की पूरी जानकारी एकत्रित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा शहरी असंगठित कामगार एकीकृत पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल पर पथ व्यवसायियों का पंजीयन जारी है। शहरी असंगठित कामगार पोर्टल में ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 96 हजार 285 पथ व्यवसाइयों ने पंजीयन करवाया है। जिसमें ग्वालियर जिले के 35 हजार 319 व्यवसायी शामिल हैं। पंजीकृत व्यवसायियों के सत्यापन की प्रक्रिया लगातार जारी है। स्वीकृत प्रकरणों में व्यवसाय के लिये 10 हजार रूपये का लोन दिया जायेगा। लोन का ब्याज सरकार भरेगी। पोर्टल में ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले के 35319, अशोकनगर जिले के 5669, दतिया के 6819, गुना के 13560 एवं शिवपुरी के 10162 पथ व्यवसाइयों ने पंजीयन कराया है। इसी प्रकार चंबल संभाग के भिंड जिले में 10801, मुरैना जिले में 10679 एवं श्योपुर जिले में 3276 पथ व्यवसाईयों ने पंजीयन कराया है।

1 जुलाई से लागू होने वाली नवीन कलेक्टर गाइडलाइन में निर्माण लागत में किसी भी प्रकार की वृद्धि न की जाये : एमपीसीसीआई

कलेक्टर एवं जिला मूल्यांकन समिति अध्यक्ष-कौशलेन्द्र विक्रम सिंह जी को चेम्बर ने लिखा पत्र

ग्वालियर। एक जुलाई से लागू होने वाली नवीन कलेक्टर गाइडलाइन में निर्माण लागत में किसी भी प्रकार की वृद्धि न किय जाने हेतु चेम्बर द्वारा कलेक्टर एवं जिला मूल्यांकन समिति अध्यक्ष-श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह जी को पत्र प्रेषित किया गया है। चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि कोराना महामारी के चलते ग्वालियर जिले की नवीन कलेक्टर गाइडलाइन में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं किए जाने का निर्णय दिनांक 12 जून,2020 को आयोजित बैठक में लिया गया था7।इस निर्णय से स्पष्ट हो गया था कि नई गाइडलाइन में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जायेगी। स्थानीय समाचार-पत्र में प्रकाशित खबर से ज्ञात हुआ है कि नवीन कलेक्टर गाइडलाइन में निर्माण लागत 8 हजार से बढाकर 12 हजार वर्गमीटर होने जा रही है। जबकि निर्माण लागत की दर में वृद्धि में के प्रस्ताव का 12 जून को आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधियों ने काफी विरोध किया था और विरोध के चलते ही प्रशासन द्वारा प्रस्ताव तैयार कर, पंजीयन मुख्यालय को भेजा गया है। चेम्बर ने पत्र के माध्यम से मांग की है कि कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए निर्माण लागत पर पंजीयन मुख्यालय को भेजे गये प्रस्ताव पर निर्णय आने तक किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाए। महामारी काल में ऐसे निर्णय नहीं किए जाने चाहिए जिससे न केवल व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो वरन् शासन के राजस्व में भी हानि की आशंका हो।

प्रबंधन के लिए जीवन में संस्कार का होना आवश्यक-अजय पांडे

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)

हमारे जीवन में प्रबंधन बहुत मायने रखता है इसी को ध्यान में रखते हुए रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल द्वारा एक अच्छे प्रबंधक कैसे बने विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य वक्ता के रूप बिजनेस हेड फ्यूचर ग्रुप नोर्थ डिवीजन अजय पांडे उपस्थित रहे वेबिनार को संबोधित करते हुए श्री पांडे ने कहा प्रबन्ध से अभिप्राय न्यूनतम प्रयास द्वारा अधिकतम परिणाम प्राप्त करने की कला है जिसमें नियोक्ता

तथा कर्मचारी दोनों के लिए अधिकतम समृद्धि एवं खुशहाली प्राप्त की जा सके तथा जनता को सर्वश्रेष्ठ सेवा प्रदान की जा सके एक अच्छे प्रबंधन के लिए जीवन में संस्कारों का होना आवश्यक होता है वेबिनार का संचालन सत्यम गर्ग तथा आभार व्यक्त क्लब अध्यक्ष आकाश बरूआ ने किया इस मौके पर सचिव पवित्र तिवारी ,आयुषी अग्रवाल ,मनीष ,राजपूत ,दिव्या चौहान ,प्रज्ञा ,श्रद्धा तथा क्लब के सभी सदस्य मौजूद रहे।।

रोहित श्रीवास्तव बने इंदौर के जिलाध्यक्ष

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर / दिव्यांशी शिक्षा क्रांति समिति द्वारा आज इस पत्र 2020 की वार्षिक बैठक रखी गई जिसमें समिति द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा की गई और आज एक विशेष कार्य यह हुआ इंदौर से पधारे श्री रोहित श्रीवास्तव जी को इंदौर का जिला अध्यक्ष समिति के सभी पदाधिकारियों की सहमति के साथ नियुक्त किया गया और भी आज नए सदस्यों का आगमन हुआ पूरी समिति के सभी सदस्यों द्वारा नए सदस्यों को पुष्प हार भेंट कर अथवा मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया आज की बैठक की अध्यक्षता माननीय श्री लखबीर सिंह जी द्वारा की गई व इस बैठक का संचालन समिति की तरफ से संस्थापक विनोद तोमर द्वारा किया गया और समिति के सभी सदस्यों ने समाज को ऊंचाइयों तक ले जाने में अपना अपना सुझाव रखा

शिक्षा को किस प्रकार से हर बच्चे तक पहुंचाया जाए इन सभी विषयों पर गंभीर चर्चा की गई और निष्कर्ष यह निकाला गया कि हमारी समिति द्वारा जब भी विद्यालय प्रारंभ किए जाते हैं समिति के सभी सदस्यों की सहमति के साथ माननीय कलेक्टर साहब को एक आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें सहकारी विद्यालय जो भी हमारे नजदीक होगा उसमें बच्चों को कुछ नया सीखाने के लिए हमें अनुमति प्रदान करने की निवेदन किया जाएगा और यदि वहां से हमारा आवेदन स्वीकार किया जाता है तो हमारी समिति ने विश्वास जताया है कि हम उस सरकारी विद्यालय की 1 साल में रूपरेखा को बदलकर ही रख देंगे और उस सरकारी विद्यालय को उच्च ऊंचाई तक पहुंचा देंगे जहां हर बच्चा सरकारी स्कूल में ही पढ़ना चाहेगा आज आप सभी सदस्य अपना कीमती समय देकर इस समिति की बैठक में पधारे मैं विनोद सिंह तोमर समिति संस्थापक अपनी पूरी समिति की ओर से आप सभी का आभार प्रकट करता हूं हृदय से धन्यवाद देता हूं

चोरी की 2 मोटर साईकिल भी की बरामद, बगीचा हनुमान मंदिर से करते थे बाईक चोरी

करैरा पुलिस ने मोटर साईकिल चोर दबोचे

करैरा । करैरा थाना अंतर्गत बाईक चोरी ली घटनाये लगातार बढ़ती जा रही है लेकिन इसी चोरी के क्रम मे पुलिस द्वारा आज एक ब्रेक लगा दिया गया । करैरा में फरियादी मयंक गुप्ता एवं फरियादी कोमल सिंह की मोटर साइकिल बगीचा हनुमान मंदिर से चोरी हुई थी जिस पर करैरा थाने में दोनो ही मामले 379 आइपीसी के तहत मामला दर्ज कर विवेचना चल रही थी । जिस पर आज शिवपुरी पुलिस अधीक्षक राजेश चंदेल को मुखबिर से जानकारी प्राप्त हुई कि ग्राम सिल्लारपुर में दोनो बाईक बेचने के लिये एक घर मे रखी हुई है । जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र कंवर एवं करैरा एस डी ओ पी जीडी शर्मा के मार्गदर्शन में एक टीम का गठन हुआ । जिसमें करैरा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक गब्बर सिंह गुर्जर ,सहायक उपनिरीक्षक रतिराम चोकोटिया, प्रधान आरक्षक सतीश जयंत , आरक्षक दीपक कुमार, ओम प्रकाश,सुनील धाकड़ , अनिल यादव आदि शामिल हुए एवं मुखबिर के बताये गये स्थान पर दबिश दी तो मोटर साइकिल 2 नग के सहित आरोपी शशिकांत परिहार पुत्र रामसहाय परिहार उम्र 18 वर्ष एवं धर्मवीर पुत्र रामेश्वर परिहार उम्र 20 वर्ष निवासी सिल्लारपुर को गिरफ्तार की । पूछताछ में दोनो ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना को कबूल किया । उक्त पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा पुरुस्कृत किया जायेगा ।

दस साल से फरार आठ हजार के इनामी बदमाश झांसी से धर दाबोचा

संदीप प्रधान

दतिया। कोतबाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता दस साल से फरार आठ हजार के इनामी बदमाश अन्नू उर्फ़ अनीस खान को झांसी से धर दाबोचा अपहरण डकैती के मामलो में कोतबाली पुलिस को थी बदमाश की तलाश पुलिस ने शातिर बदमाश को झांसी के तलाबपुरा मीट मार्केट से किया गिरफ्तार कोतबाली टी.आई.धनेंद्र सिंह भदौरिया ने पत्रकारों को बताया की बदमाश पिछले

दस सालो से फरार चल रहा था पुलिस को अपहरण और डकैती के मामले में बदमाश की तलाश थी यह कोतबाली पुलिस के लिए बहुत बड़ी सफलता हे इस कार्यबाही में

बड़ौनी पुलिस को फिर मिली बड़ी सफलता

जुए की फड़ पर दी दबिश 12 आरोपियों के कब्जे से 23550 तथा 6 एंड्रायड मोबाइल किए जप्त 7

दतिया। थाना बड़ौनी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम घुगसी तथा ग्राम हिडोरा में दबिश देकर 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया । जिनके कब्जे से ?23550 तथा 6 एंड्राइड मोबाइल जप्त कर के 13 जुआ एक्ट की कार्यवाही की गई। इनकी हुए गिरफ्तारीः 1- श्यामलाल पुत्र भैया लाल विश्वकर्मा 2- चंद्रभान पिता लक्ष्मण अहिरवार 3- सुनील पिता राम बक्स अहिरवार 4 मनोज पुत्र अमर सिंह रावत 5-जय सिंह पुत्र दीवान सिंह रावत 6- जगदीश पुत्र रामसेवक परिहार सभी निवासी ग्राम घुघसी 7- कल्लू पिता कृपाराम कुर्मी 8- परमानंद पिता ब्रजनंदन पटेल 9- रामकिशोर पुत्र गोपीराम पटवा 10- वकील गुर्जर पुत्र राम सिंह गुर्जर 11- अलबेल सिंह गुर्जर पुत्र भजन सिंह गुर्जर 12शालिग्राम पाल पिता जगन्नाथ पाल सभी निवासी ग्राम हिडोरा इनकी रही मुख्य भूमिकाः प्रशिक्षु डीएसपी अंजलि रघुवंशी ,उप निरीक्षक रविंद्र शर्मा सउनि महेश श्रीवास्तव सउनि राजेंद्र पुष्ट्रा आरक्षक महेंद्र शर्मा,शिवराम गुर्जर,रविंद्र यादव. दिलीप प्रधान,अंकित ,योगेंद्र ,भूपेंद्र पुष्पेंद्र ।

अबैध शराब सहित एक आरोपी पकड़ा

(अर्पित गुप्ता)

लहार। पुलिस अधीक्षक भिंड मनोज सिंह के निर्देशन में एबम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन एबम एस. डी.एस.पी बिजय यादव के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत नवागत सुरपुरा थाना प्रभारी आलोक तोमर ने आज अबैध शराब के खिलाफ धमाकेदार कार्यवाही करते हुए मुखबिर की सूचना से 40 क्वाटर अबैध शराब सहित एक आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की थाना प्रभारी द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार उंन्हे जरिये मुखबिर सूचना मिली कि ग्राम चितावली स्कूल के पास दुकान में अबैध रूप से दारू बेची जाती है जिसपर कार्यबाही करते हुए चितावली स्कूल के पास पहुँचकर दुकान की सर्चिंग की गई तो वहां टीन के एक कनिस्टर मे 40 क्वाटर देशी मदिरा के जप्त किये और एक आरोपी जिसने पूंछतांछ में अपना नाम श्यामकुमार सिंह पुत्र अमर सिंह भदौरिया उम्र 38 बर्ष निबासी ग्राम चितावली का होना बताया आरोपी पर धारा 34 के तहत कार्यबाही की गई थाना प्रभारी की इस कार्यबाही में सहायक उपनिरीक्षक प्रेम सिंह सिकरवार, आरक्षक अनुजदेव शर्मा,आरक्षक गोविंद राजपूत तथा आरक्षक चालक अरविंद परिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

शहर में यातायात एवं पार्किंग के संबंध में बैठक आज

ग्वालियर। नगर निगम सीमा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग प्रबंधन के साथ-साथ महाराज बाड़े पर फुटकर व्यवसाय करने वाले व्यवसाइयों के संबंध में एक बैठक कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में 30 जून को शाम 5 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, नगर निगम आयुक्त, सीईओ स्मार्ट सिटी, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, संयुक्त संचालक टीएनसीपी के साथ ही कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग भी उपस्थित रहेंगे।

हत्या के प्रयास का आरोपी सुरपुरा पुलिस ने दबोचा

थाना प्रभारी सुरपुरा आलोक तोमर की कार्यवाही

अरुण शुक्ला ब्यूरो

भिण्ड पुलिस अधीक्षक भिंड मनोज सिंह के निर्देशन में एबम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन एबम एस. डी.एस.पी बिजय यादव के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत नवागत सुरपुरा थाना प्रभारी आलोक तोमर ने एक हत्या के प्रयास के आरोपी को पकड़ने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की थाना प्रभारी सुरपुरा आलोक तोमर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि सुरपुरा थाने का हत्या के प्रयास का फरार आरोपी चीलोंगा की नहर की

पुलिया पर कही जाने की फिराक में खड़ा है मुखबिर की सूचना पर तुरंत तस्तीक की गई और उसके बताये हुए स्थान पर दबिश दी गयी पुलिस की देख आरोपी ने भागने की कोशिश की पर कामयाब न हो सका आरोपी को दबोचकर उससे कड़ाई से पूंछतांछ की गई तो आरोपी ने अपना नाम मतई उर्फ मुकेश पुत्र सुरेश जाटव उम्र 20 बर्ष निबासी चीलोंगा का होना बताया आरोपी सुरपुरा थाने के अपराध क्र.56/20 में धारा 307,34 भादवि के तहत काफी समय से फरार चल रहा था जिसे आज मुखबिर की सूचना से दबोच लिया गया थाना प्रभारी सुरपुरा आलोक तोमर की इस कार्यबाही में सहायक उपनिरीक्षक प्रेम सिंह सिकरवार,आरक्षाक यदुवीर,आरक्षक अनिल जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

मध्य प्रदेश के 4410 गांवों की प्याय बुझाएगा बाणसागर

जल निगम विभाग ने 5500 करोड़ की योजना को दी हरीझंड़ी

भोपाल। पेयजल संकट से जूझ रही विंध्य की जनता को पानी मुहैया कराने के लिए बाणसागर बांध में 5500 करोड़ रुपए की योजना स्थापित होगी। बांध के पानी से सिंचाई के साथ ही अब ग्रामीणों को मीठा पानी सप्लाई करने की तैयारी है। केंद्र ने राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना के तहत योजना को हरीझंडी दे दी है। जल निगम के अफसरों ने योजना को अमली जामा पहनाने में जुट गए हैं। प्रारंभिक चरण में रीवा, सतना और सीधी में 4410 गांवों में घर-घर मीठे पानी की सप्लाई का ब्लूप्रिंट तैयार करने में जुटे हैं। गौरतलब है कि प्रदेश के अधिकांश गांवों के लोग आज भी पारंपरिक जल स्त्रोतों का पानी पीते है। कई गांवों में नलजल योजना शुरू भी की गई है तो वह आधी अधूरी पड़ी है। ऐसे में विंध्य

क्षेत्र के गांवों के लिए बाणसागर योजना संजीवनी बन सकती है। जल निगम के अधिकारियों के मुताबिक रीवा और सीधी के सभी गांव में जलापूर्ति के लिए योजना तैयार की गई है। जबकि सतना के तीन ब्लाकों को शामिल किया गया है। चिहिंत गांवों में प्रतिदिन जलापूर्ति के लिए बाणसागर का 580 एमएलडी यानी मिलियन लीटर पानी की खपत होगी। जल निगम के अधिकारी जिलेवार पंचायत स्तर पर गांव-गांव की जानकारी जुटा रहे हैं। इस योजना में रीवा जिले 9 ब्लाक के 827 ग्राम पंचायतों के लगभग 2700 गांवों को शामिल किया गया है। इसके अलावा सीधी जिले के सभी गांवों को चिहिंत किया गया है। सतना के तीन जनपद को शामिल जाएगा। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना के तहत बाण सागर बांध से चिहिंत गांवों में घर-घर जलापूर्ति की योजना वर्ष 2024 तक पूरी करने की डेडलाइन है। जल निगम जिलेवार पंचायत स्तर पर पेयजल की योजना तैयार करने में जुट गया है। जल निगम की ओर से प्रत्येक जिले में पंचायत स्तर पर बेसिक जानकारियां जुटाई जा रही हैं। इस योजना में पेयजल के लिए प्रति व्यक्ति को औसत 55 लीटर पानी हर रोज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए बाणसागर से प्रतिदिन रीवा, सीधी और सतना में प्रतिदिन 58 करोड़ लीटर पानी प्रतिदिन सप्लाई की तैयारी है।

मंत्री पटेल ने खरगोन की फल-सब्जी मंडी का किया ई-शुभारंभ

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने खरगोन जिले की बलवाड़ी मंडी के नवनिर्मित अतिरिक्त प्रांगण का ई-लोकार्पण और फल-सब्जी मंडी का ई-शुभारंभ किया। मंत्री श्री पटेल ने 8 करोड़ 13 लाख रुपए की लागत से प्रथम चरण के पूर्ण हुए कार्यों का लोकार्पण भी किया है। उन्होंने कहा कि 13 करोड़ की लागत से द्वितीय चरण के कार्य

भी शीघ्र प्रारम्भ होंगे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि फल-सब्जी मंडी का शुभारंभ होने से फल और सब्जी विक्रेताओं को लाभ मिलेगा। अब वे बेहतर तरीके से अपना व्यापार कर सकेंगे। इस अवसर खरगोन में क्षेत्रीय सांसद श्री गजेंद्र पटेल, नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद श्री सुमेर सिंह सोलंकी, पूर्व राज्य मंत्री किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग श्री बालकृष्ण पाटीदार, विधायक श्री रवि जोशी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री विपिन गौर और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

दिल्ली में सिंधिया से मिले शिवराज

मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 30 लाख रुपए

भोपाल । मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर रास्ता साफ होता दिख रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को दोपहर नई दिल्ली में सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की है। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच मंत्रिमंडल के विस्तार और उसके संभावित नामों को लेकर चर्चा हुई है। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल विस्तार मंगलवार को शाम हो सकता है। इसमें पाला बदलने वाले विधायकों के मंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। मंत्रिमंडल विस्तार के इस कार्यक्रम में ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शामिल हो सकते हैं। अब शाम को 4 बजे मुख्यमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। हालांकि मंत्रिमंडल के नामों को लेकर मुहर रविवार को ही लग चुकी है, जब शिवराज गृहमंत्री अमित शाह से मिले थे। इस मुलाकात में सिंधिया ने शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए 30 लाख का चेक भी सौंपा। इस पर मुख्यमंत्री ने सिंधिया का धन्यवाद किया है। उन्होंने लिखा कि मध्यप्रदेश की बेहतरी के लिए आपके द्वारा दिये गए योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं। वहीं सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इसकी जानकारी दी है कि उन्होंने कोरोना राहत कार्यों के लिए, अपनी ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष में 30 लाख का रुपए चेक सौंपा है।

नरोत्तम मिश्रा ने कहा- सिंधिया के सम्मान में कांग्रेस विधायकों ने पार्टी छोड़ी

इधर, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए 22 विधायकों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के मान-सम्मान में पार्टी छोड़ी है। गृहमंत्री गोहद कृषि मंडी परिसर में विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले के गोहद अस्पताल को बहुत जल्द 100 बेड वाला अस्पताल बनाया जाएगा। गोहद विधानसभा में 3 नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी खोले जाएंगे। बता दें कि गोहद में भी विधानसभा उपचुनाव होने हैं, यहां के विधायक रणवीर जाटव इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए थे।

तेल की कीमतो को लेकर कांग्रेस का हमला जारी, पूर्व मंत्री पटवारी साईकल लेकर उतरे सडक पर

भोपाल। तेल की बढती कीमतो को लेकर कांग्रेस पूरी तरह से हमलावर हो गई है। इसी कडी मे पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह की साईकल यात्रा ओर कॉग्रेस के अन्य नेताओ द्वारा किये गये जोरदार विरोध प्रर्दशनो के साथ ही कांग्रेस अब सीधे आमजन से संवाद पर उतर आई है। कांग्रेस पार्टी के स्पीक आप कार्यक्रम के तहत प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ओर अपनी आक्रमक शैली के लिये पहचाने जाने वाले कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी ने साईकल लेकर सडक पर उतरते हुए आम जनता के बीच पहुंचकर एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। सोमवार को भोपाल के लिंक रोड

नंबर-1 पर पूर्व मंत्री जीतू पटवारी साइकिल चलाते नजर आए। इस दौरान पटवारी यहां स्थित एक पेट्रोल पंप पहुंचे और मीडिया के सामने तेल की बढी कीमतो को लेकर होने वाली परेशानियो के बारे मे वाहन लेकर पैट्रौल भरवाने आये आम लोगों से सीधे सवाल करने लगे। जीतू पटवारी ने पेट्रोल पंप पर आम लोगों से बातचीत करते हुए बातचीत करते हुए उनसे पूछा कि क्या करते हो, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं, इसका असर क्या आया। इस पर लोगो का जवाब था कि वो पेट्रोल के लिए पैसै उधार लेकर आए हैं, ओर पेट्रोल नहीं भरवाएंगे, तो काम नहीं चलेगा। साथ ही लोगो ने कहा कि सरकार को पेट्रोल-डीजल के दाम कम करना चाहिए। जीतू पटवारी ने जब आम लोगों से चर्चा की तो लोगों ने बताया कि पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों का उन पर कितना असर हो रहा है, लोगों को अब इस बात का डर सताने लगा है कि पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों का असर महंगाई पर ना आ जाए।

अदालत में शुरु हुआ कामकाज, तारीख बढाने के कारण नही पहुंचे पक्षकार

भोपाल। राजधानी में सोमवार से जिला अदालत मे काम शुरू हो गया। इस दौरान कई वकील अपनी पहचान के लिए मास्क पर ही एडवोकेट का साइन बनवाकर पहुंचे। इस दौरान जिला अदालत में थर्मल स्क्रीनिंग मशीन से लोगों के शरीर के तापमान जांचने का जिम्मा कोर्ट स्टाफ को दिया गया। देखने मे आया कि पक्षकारों के आने पर प्रतिबंध और वकीलों के लिए बैठने की जगह नहीं होने से कोई काम शुरू नहीं हो सका। सूरक्षा के चलते अदालती कार्यवाही शुरु करने के लिये कोर्ट के मैन गेट के दाएं तरफ सीजेएम कोर्ट के बाहर तीन अलग-अलग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम लगाए गए हैं। वही कुटुंब न्यायालय में मामलों की सुनवाई के लिए भी वीडियो कांफ्रेंसिंग सिस्टम कोर्ट रूम के बाहर लगाया गया। इसी बीच जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र कुमार वर्मा के आदेश के चलते भोपाल कोर्ट में 4 जुलाई तक लगने वाले सभी मामलों की सुनवाई की अगली तारीख बढ़ा दी गई। गौरतलब है कि अदालत ने पक्षकारों के प्रवेश पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया था।

बोर्ड परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार

भोपाल। आदिमजाति कल्याण विभाग ने वर्ष 2019 में माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को शंकरशाह रानी दुर्गावती योजना में दिये जाने वाले पुरस्कारों की घोषणा की है बोर्ड की परीक्षा में कक्षा 10 की परीक्षा में सतना जिले के शासकीय हायर सेकेन्ड्री स्कूल के छात्र अमित राज कोल को प्रथम पुरस्कार दिया गया है। पुरस्कार स्वरूप उन्हें 51 हजार रूपये की राशि दी गई है। छात्र अमित राज ने 500 में से 487 अंक प्राप्त किये हैड्ड। द्वितीय पुरस्कार शिवपुरी जिले के सरस्वती विद्या पीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फतेहपुर कोठी के छात्र दीपक भगत को दिया गया है। इन्हें पुरस्कार स्वरूप 40 हजार रूपये की राशि दी गई है। दीपक भगत ने 500 मे से 486 अंक प्राप्त किये हैं। छिन्दवाड़ा जिले के नवदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा कु. लता तेकाम ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया है। कु. लता को पुरस्कार स्वरूप 30 हजार रूपये की राशि दी गई है। कु. लता ने 500 मे से 484 अंक प्राप्त किये हैड्ड। बोर्ड की कक्षा 10 की परीक्षा में बड़वानी के शासकीय उत्कृष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की कु. नेहा को मेरिट सूची में चौथा स्थान प्राप्त करने पर 15 हजार रूपये और मंन्दसौर के शासकीय बालिका हायर सेकेन्ड्री स्कूल की कु. मधुबाला को पांचवा स्थान प्राप्त करने पर 10 हजार रूपये की राशि से पुरस्कृत किया गया है।

सड़कों पर तेजी से शुरू हुए कार्य

38 हजार करोड़ के 4 हजार से अधिक के काम जारी

भोपाल । प्रदेश में विभिन्न विभागों में निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। कोरोना और लॉकडाउन के कारण जो काम रुक गए थे, वे काम शुरू हो गये हैं। लोक निर्माण विभाग में 38 हजार 701 करोड़ 51 लाख रूपये लागत के 4 हजार 247 कार्य चल रहे हैं और इनमें मजदूरों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव श्री नीरज मंडलोई द्वारा विभाग के कार्यों की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। वे लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों में अधिकाधिक संख्या में मजदूरों को काम मिलना सुनिश्चित कर रहे हैं। प्रमुख अभियंता लोक निर्माण के अन्तर्गत 28 हजार 211 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत के 3,394 कार्य प्रारंभ किये गये हैं जिनमें 1,427 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी प्रकार प्रमुख अभियंता सड़क विकास निगम के तहत 5,099 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत के

85 कार्य प्रारंभ किये गये हैं जिसमें 2,012 श्रमिक कार्यरत हैं। परियोजना संचालक परियोजना क्रियान्वयन इकाई के अन्तर्गत 5,390 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत के 768 कार्य प्रारंभ किये गये हैं जिनमें 17 हजार 306 श्रमिक कार्यरत हैं। लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत प्ररिक्षेत्र सागर में 705 लाख 80 हजार रुपये लागत के 144 अनुबंधित कार्य, उज्जैन में 151542 लाख 45 हजार के 241 अनुबंधित कार्य, ग्वालियर में 161794 लाख 34 हजार लागत के 326 अनुबंधित कार्य, सेतु परिक्षेत्र भोपाल में 310439 लाख लागत के 208 अनुबंधित कार्य, परिक्षेत्र भोपाल में 452826 लाख 71 हजार लागत के 28 सड़क निर्माण के अनुबंधित कार्य, मध्यक्षेत्र जबलपुर में 99268 लाख 86 हजार लागत के 324 अनुबंधित कार्य, रीवा परिक्षेत्र में 112647 लाख के 360 अनुबंधित कार्य, पश्चिम परिक्षेत्र इंदौर में 159262 लाख 68 हजार लागत के 211 अनुबंधित कार्य, राजधानी परिक्षेत्र भोपाल 205609 लाख 89 हजार लागत के 391 अनुबंधित कार्य चालू हैं। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा निर्माण पुनः प्रारंभ करने की गतिविधियाँ भी प्रारंभ की गई हैं। इनमें कुल मिलाकर विभिन्न जिलों में पुनः प्रारंभ किये गये 85 कार्यों में 2012 श्रमिक कार्यरत हैं। पुनः प्रारंभ कार्यों की कुल लागत 5099 करोड़ से अधिक है।

संपादकीए

गोरा बनाने के नाम अब नई पैंतरेबाजी!

कहते हैं कि किसी भी बड़े बदलाव की चिन्ता या जरूरत तब होती है जब कोई बड़ी मुसीबत सामने दिखती है. अमूमन यह इंसानी फितरत है कि जब सब बिल्कुल ठीक चल रहा है और सौ टका दुरुस्त और फायदेमन्द भी तो फिर फालतू बैठे बिठाए क्यों मुसीबत मोल ली जाए? यह काम तो इंसान ही करता है फिर वह चाहे बड़ी कंपनियों के संचालक हों या गृह उद्योग से जुडे लोग. ऐसा ही कुछ 1975 से अब तक यानी 45 सालों से धड़ल्ले से बिक रही और भारतीय बाजार में खासकर गाँवों के 70 प्रतिशत इलाकों में अपना बाजार बना चुकी मशहूर फेयरनेस क्रीम फेयरएण्ड लवली भी करने जा रही है. दरअसल अमेरिकी अफ्रीकी समुदाय के अश्वेत जार्ज फ्लायड की मौत के बाद जो कुछ हुआ उससे एक बार फिर दुनियाभर में रंगभेद पर बहस छिड़ गई और इसी की झुलसन ने गोरेपन और त्वचा को सुंदर करने वाली तमाम क्रीमों को भी लपेटे में ले लिया. हालांकि भारत में ऐसा कुछ नहीं है लेकिन फेयरनेस क्रीम बाजार जरूर सकते में है कि कब आंच यहाँ भी न पहुँच जाए. ऐसे में तमाम गोरेपन की क्रीम बनाने वाली कंपनियों को भी लोगों की भावनाएं अब समझ में आईं और आनन-फानन में अपनी योजनाओं में बदलाव कर रही हैं. इस कड़ी में कोलकाता में मौजूद देश की दिग्गज एफएमसीजी कंपनी इमामी लिमिटेड भी अपने गोरेपन की क्रीम फेयर एंड हैंडसम से फेयर शब्द हटाने की सोच रही है. कंपनी को सुध आ गई है कि वह एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट है और उपभोक्ताओं की भावनाओं का ध्यान रखती है जिसकी दुहाई दे रही है. चर्चा तो यह भी है कि लॉरियल कंपनी भी अपने ब्रांड से व्हाइट, लाइट और फेयर जैसे शब्दों को डिलीट कर सकती है. अब यह सवाल समझने वालों के लिए है कि पहले ऐसी सुध क्यों नहीं आई? जॉर्ज फ्लायड की मौत के बाद ही क्यों ध्यान आया? फिर भीन देर आए, दुरुस्त आए. अब फेयरनेस क्रीम का पहला आइडिया कहाँ से आया इस बात के कोई पक्के सबूत तो नहीं हैं लेकिन नस्लवाद या काले गोरे के फर्क का अमेरिका का इतिहास जरूर सबके सामने हैं. अंग्रेजी में लंबे समय तक काले अमेरिकन को अफ्रीकन-अमेरिकन कहा जाता रहा. उससे पहले अफ्रो-अमेरिकन कहते थे और उससे भी पहले केवल ब्लैक कहा जाता था. यकीनन ब्लैक शब्द ही मानवता को शर्मसार करता था. लेकिन यह भी सच है कि उन्नीसवीं सदी की शुरूआत तक काले लोगों को अमेरिका में इंसान नहीं माना जाता था. अमेरिका के इतिहासकार रिचर्ड वाइट ने भी एक जगह लिखा है कि समाज द्वारा काले और गोरों के बीच बनाई सीमाओं को लांघने पर काले लोगों की सरेआम लिंचिंग हो जाती थी. लिंचिग करना सरेआम कत्ल कर देने से भी बदतर होता था. लोग पहले बेइज्जत करते थे, मखौल उड़ाते थे, नसबंदी कर देते थे, जला देते थे और यहां तक कि मिलकर मार देते थे. यह नस्लभेद का खतरनाक दौर था. उस दौर की तस्वीरें रूह कंपा देने वाली हैं. यानी सुप्रीम कोर्ट ने नस्ल के आधार पर अलगाव वाली व्यवस्था को पैदा कर दिया. हालांकि धीरे-धीरे उत्तरी राज्यों में काले नागरिकों को इंसान का दर्जा मिला लेकिन दक्षिणी राज्यों में 1862 से 1868 तक चले गृहयुद्ध के बाद मिल पाया. गुलामी से छूटे तबके सबसे बड़े काले नेता फ्रेडरिक डगलस को 12 जुलाई, 1854 में वेस्टर्न रिजर्व कॉलेज में बाकायदा तर्कों के साथ समझाना पड़ा था कि नीग्रो नस्ल के लोग इंसानियत का हिस्सा हैं. गृहयुद्ध के बाद बाकयदा जो कानूनन बराबरी मिली, धीरे-धीरे नए कानून बनाकर वह छीन भी ली गई.

नरसिंहरावजी : एक बेजोड़ प्रधानमंत्री

योगेन्द्र कुमार

आज नरसिंहरावजी का 99 वां जन्मदिन है। मैं यह मानता हूं कि अब तक भारत के जितने भी प्रधानमंत्री हुए हैं, उनमें चार बेजोड़ प्रधानमंत्रियों का नाम भारत के इतिहास में काफी लंबे समय तक याद रखा जाएगा। इन चारों प्रधानमंत्रियों को अपना पूरा कार्यकाल और उससे भी ज्यादा मिला। ये हैं, जवाहरलाल नेहरु, इंदिरा गांधी, नरसिंहराव और अटलबिहारी वाजपेयी। भारत के पहले और वर्तमान प्रधानमंत्री के अलावा सभी प्रधानमंत्रियों से मेरा कमोबेश घनिष्ट परिचय रहा और वैचारिक मतभेदों के बावजूद सबके साथ काम करने का अनुभव भी मिला। अटलजी तो पारिवारिक मित्र थे लेकिन नरसिंहरावजी से मेरा परिचय 1966 में दिल्ली की एक सभा में भाषण देते हुआ था। उस सभा में राष्ट्रभाषा उत्सव मनाया जा रहा था। मैंने और उन्होंने कहा कि हिंदी के साथ-साथ समस्त भारतीय भाषाओं का उचित सम्मान होना चाहिए। यह बात सिर्फ हम दोनों ने कही थी। दोनों का परस्पर परिचय हुआ और जब राव साहब दिल्ली आकर शाहजहां रोड के सांसद-फ्लेट में रहने लगे तो अक्सर हमारी मुलाकातें होने लगीं। हैदराबाद के कुछ पुराने आर्यसमाजी और कांग्रेसी नेता उनके और मेरे साझे दोस्त निकल आए। जब इंदिराजी ने उनको विदेश मंत्रालय सौंपा तो हमारा संपर्क लगभग रोजमर्रा का हो गया। मैंने जवाहरलाल नेहरु युनिवर्सिटी से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में ही पीएच.डी. किया था। पड़ौसी देशों के कई शीर्ष नेताओं से मेरा संपर्क मेरे छात्र-काल में ही हो गया था। अंतरराष्ट्रीय मसलों पर इंदिराजी, राजा दिनेशसिंह और सरदार स्वर्णसिंह (विदेश मंत्री) से मेरा पहले से नियमित संपर्क बना हुआ था। उनकी पहल पर मैं कई बार पड़ौसी देशों के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से मिलने जाया करता था। नरसिंहरावजी के जमाने में यही काम मुझे बड़े पैमाने पर करना पड़ता था। जिस

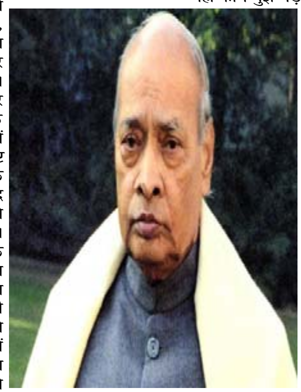

रात राजीव गांधी की हत्या हुई, पीटीआई (भाषा) से वह खबर सबसे पहले हमने जारी की और सोनियाजी और प्रियंका को मैंने खुद 10-जनपथ जाकर यह खबर घुमा-फिराकर बताई। मैं उन दिनों 'पीटीआई-भाषा' का संपादक था। उस रात राव साहब नागपुर में थे। उनको भी मैंने खबर दी। दूसरे दिन सुबह हम दोनों दिल्ली में उनके घर पर मिले और मैंने उनसे कहा कि अब चुनाव में कांग्रेस की विजय होगी और आप प्रधानमंत्री बनेंगे। राव साहब को रामटेक से सांसद का टिकिट नहीं मिला था। वे राजनीति छोड़कर अब आंध्र लौटनेवाले थे लेकिन भाग्य ने पलटा खाया और वे प्रधानमंत्री बन गए। हर साल 28 जून की रात (उनका जन्मदिन) को अक्सर हम लोग भोजन साथ-साथ करते थे। 1991 की 28 जून को मैं सुबह-सुबह उनके यहां पहुंच गया, क्योंकि रामानंदजी सागर का बड़ा आग्रह था। राव साहब सीधे हम लोगों के पास आए और बोले ''अरे, आप इस वक्त यहां ? इस वक्त तो ये बेंड-बाजे और हार-फूलवाले प्रधानमंत्री के लिए आए हुए हैं।'' राव साहब पर प्रधानमंत्री पद कभी सवार नहीं हुआ। उन्होंने भारत की राजनीति विदेश नीति और अर्थनीति को नयी दिशा दी। पता नहीं, उनकी जन्म-शताब्दि कौन मनाएगा और वह कैसे मनेगी ?

नवोत्थान का संदेश

नवोत्थान का संदेश अब कोई सुनाता नहीं
कृष्ण समान कर्तव्य पथ कोई बताता नहीं
परिणत कर आदर्शों को उदात्त कर्मों में
कोई नायक दुर्बल जनों को है उठाता नहीं।।
जो संदेश था अन्याय को निर्भीक ललकार
जो घोषित करता था अधर्म का प्रतिकार
वह खो गया कहीं काल चक्र की घर्घर में
हमने दिया है उसे स्मृति से अपनी बिसार।
दिखता मूल्यों का विघटन, मानवता का क्षय
जहाँ विजयी प्रमाणित होता केवल एक अनय
भूलकर वे प्राचीन आदर्श धर्म संस्कृति के
हम सहर्ष कर रहे हैं अपसिद्धांतों का संचय।
कौरव छल से,संपत्ति भाइयों की हरते हैं
पांडव निस्सहाय प्रतीक्षा,कृष्ण की करते हैं
प्रतिदिन हम अमृत के दिव्य वंशज सभी
अंतर्करण में कुंठित हो घुटते और मरते हैं।

हमें रोदन नहीं, अब नया उत्साह चाहिए
बैठने की छांव नहीं,चलने की राह चाहिए
जड़ता शठता दुर्बलता को छोड़ कहीं दूर
कर्म उद्दम व जिजीविषा का प्रवाह चाहिए।
नहीं स्वीकार,रूढ़ियों से भरी वे बातें पुरानी
जो शत्रु भारत देश की,जा चुकी हैं पहचानी
भीष्म हो सकते हैं बड़े आदरणीय हमारे लिए
पर प्रेरित करती है वासुदेव कृष्ण की कहानी।
मिटाकर अंतर्मन की दुविधा,चेतना का क्लेश
हम स्वयं सुनाएँगे,नवोत्थान का यह संदेश
मानवता को मिलेगी नयी दिशा और डगर
मूर्छा त्याग कर खड़ा हो जाएगा भारत देश ।

क्षितिज जैन 'अनघ'

हर दिन मुस्कुराओ

लेकिन स्वर्ग के लिए ठीक है के बारे में सपना

आने के साथ फूलों को आशीर्वाद

यह चुंबन और आप मुस्कान फूलों का सच है

अगर ऐसा है तो मुस्कुराइए

लेकिन इसके बजाय आप मुस्कुराना नहीं चाहते

लग रहा है कि उपयोग के बारे में भुगतना पड़ सकता है

तनाव और जलन के साथ

बस आराम करो और एक फूल देखें

कैसे खिलें और आनंद लें

हमारे तनाव और कमी से मुक्त रहें

ओटेरी सेल्वकुमार

बहू डाक्टर नहीं है

दिलीप भाटिया
रावतभाटा राजस्थान

गरिमा जीजी प्रणाम। वाट्सएप पर तुम्हारी परेशानी पढ़ कर भाई को भी परेशान होना स्वाभाविक है। सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। अपनी बहू सरला से तुम्हें बहुत तकलीफ है। पर स्वयं भी दर्पण देख लीजिए। सरला एक सरल सी लड़की है। बहू डाक्टर नहीं है जो ससुराल में कदम रखते ही तुम्हारे बिगड़े पुत्र को सुधार कर राजा बेटा बना देगी। माताजी पिताजी सोचते हैं कि बस नालायक बेटे के सात फेरे करवा दो फिर बहू जादू से उसकी सारी बुरी आदतें सुधार देगी। दो अथवा अधिक बेटियों के बाद पधारे पुत्र को सिर पर चढाकर बिगाड़ने वाले मम्मी पापा ही उसकी गलत आदतों के लिए जिम्मेदार हैं। नालायक पुत्र की उच्च शिक्षा के लिए किसी बेवकूफ प्राणी से लिया कर्ज़ सिर पर है। पुत्र अपनी दो रोटी खाने के लिए स्वयं तो अर्थिक रुप से सक्षम तो नहीं है। लाखों रुपए बर्बाद कर उसके लिए एक नई जिम्मेदारी ला दी जाती है। फिर रोना प्रारंभ हो जाता है कि बेटा तो हाथ से निकल गया। कड़वे सच के लिए भाई को क्षमा करना जीजी। पुत्र विवाह होने तक ही सुपुत्र रहता है। नई बहू का परिचय देते समय पुत्रवधू ही कहा जाता है। सुपुत्र वधू नहीं। उसे अब पुत्र एवं भाई के अतिरिक्त पति की भी भूमिका निभानी होती है। पीहर का सब कुछ छोड़कर अनजान परिवार में आई मासूम लड़की अपनी प्रत्येक आवश्यकता के लिए उसी इनसान से अपेक्षा करती है जिसके भरोसे वह आई है। सरला को बेटी मत कहिए। बहू ही रहने दें। बस इनसान समझ लें। बेटी को बेटा मत कहिए। बहू को बेटी कहकर सबको बेवकूफ बनाने का प्रयास मत करिए। हर इंसान अपने स्वाभाविक रूप में ही शोभा देता है। समाज में बढ़ चढ़ कर बातें करने से कोई भी प्रभावित नहीं होता। माँ का स्थान कोई नहीं ले सकता। सास कभी माँ का स्थान नहीं ले सकती। बहू भी बेटी नहीं बन सकती। बढ़ चढ़ कर बातों की अपेक्षा सरल स्पष्ट रह कर परिवार में तनाव कम करें। सरला को उसी प्रकार स्वीकार करें जिस प्रकार आपको ससुराल में स्वीकार किया गया था। भरोसा है कि सरला को स्वीकार कर परिवार में स्नेह प्यार के खुशबू भरे फूल खिलाने का प्रयास करेगी। स्पष्टता के लिए क्षमा। शुभकामना। एक नालायक भाई अजय का सादर प्रणाम।

गीत

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव 'कोमल'

अफवाहों से कभी सत्य के फूल नहीं खिलते।
जैसे खोखल बुनियादों पर महल नहीं टिकते।

यह तो खाली कुत्सित मन की भ्रामक चालें हैं।
जाने कैसे- कैसे मन में भ्रम को पाले हैं।
निराधार औ% तर्क हीन जो बातें होती हैं।
ऐसी बातें मन में विष के बीजे बोती हैं।
कितना ही चिन्तन मंथन हो,किन्तु अन्त है निष्फल
ऐसी बातों को मथने से अर्थ नहीं मिलते।
जैसे खोखल बुनियादों पर महल नहीं टिकते।

कभी झूठ के पाँव और आधार नहीं होते।
केवल कोरी बातों से व्यापार नहीं होते।
अफवाहें तो मानव मन को मैला करती हैं।
कलुष घोल कर मन को और विषैला करती हैं।
अफवाहों से कभी सत्य के द्वार नहीं खुलते।
जैसे खोखल बुनियादों पर महल नहीं टिकते।

प्रकृति जिसने हमें जीवन दिया....

प्रकृति जिसने हमें जीवन दिया,श्वास दी,भोजन दिया,निवास दिया,हमने उसके साथ हर कदम पे धोका किया है,जो कि अमानवीय कृत् है,प्रकृति ने हमें एक नवजात की तरह पाला-पोसा,माता -पिता की तरह रक्षा की व् हर स्थिति से साधरदता से निकाल लिया। हमनें उसके साथ क्या किया?....विश्वासघात किया। हमने अपने स्वार्थ के लालच में पृथ्वी व् प्रकृति से उनका ही जीवन छीनने की कोशिश की है,अपने क्रूर व्यव्हार से प्रकृति को वो कष्ट पहुंचाया है,जेसे की दरिंदे एक नन्ही सुकुमार कली के साथ करते हैं। प्रकृति का तमाचा पड़ना तो जायज़ था;फिर अब मानव क्यों तिलमिला रहा है प्राकृतिक प्रकोप से,अब जब प्रकृति अपनी तानाशाही चला रही है तो अब मानव क्यों नहीं सोचता अपने विकास का बारे में,क्यों वह दयनीय दशा बनाकर प्रकृति को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है,क्यों प्रकृति के समक्ष अपने हाथ जोड़कर माफ़ी की उम्मीद कर रहा है,मानव-विकास के स्वार्थ ने मानव जाति को इतना क्रूर बना दिया है कि उसको यही समझ नहीं आता कि वह वही डाली काट रहा है,जिस पेड़ पर वह स्वयं बैठा है। बेहतर होगा..;मानव अब भी सुधार कर ले, वरना विनाश उम्मीद से परे होगा फिर मानव जाति अपना जीवन बचाने के काबिल भी नहीं रहेगी ;अगर विकास करना ही है तो प्रकृति को बिना नुक्सान पहुंचाये करें ,प्रकृति के साथ मिलजुलकर काम करना सीख लें। प्रकृति की कदर करना सीख लें। यही मानव- जाति के लिए बेहतर होगा।

पल्लवी राहुल
इटावा (उत्तर प्रदेश)

प्रेम और मोह क्या अंतर?

जब भी प्रेम की बात निकलेगी, राधा कृष्ण की बात तो अवश्य कहीं जाएगी। या यूं कहो राधा कृष्ण के बगैर कोई भी प्रेम हो अपूर्ण ही रहता है। राधा और कृष्ण के बिना प्रेम कि परिभाषा की ही नहीं जा सकती। ।हर व्यक्ति किसी ने किसी से प्रेम या मोह जरूर रखता है। प्रेम और मोह में केवल शब्द का अंतर नहीं है अपितु प्रेम एक ऐसा शब्द है जो कि हृदय से उत्पन्न होता है और व्यक्ति जिस से प्रेम करता है उसके लिए सब कुछ समर्पण की भावना रखता है। मोह वहां होता है जहां हमें सुख मिलने की उम्मीद हो या सुख मिलता हो। यहां मैं और मेरे की भावना प्रबल रहती है वो मोह कहलाता है। सांसारिक प्रेम मोह कहलाता है पर जब हम सब से एक जैसा व्यवहार ओर भाव रखते है तो वो प्रेम हो जाता है और ईश्वरीय प्रेम ही प्रेम कहलाता है। जब प्रेम में स्वार्थ आ जाता है तो वह मोह में बदल जाता है। मोह और प्रेम में बहुत छोटा सा अंतर है, लेकिन जब उसके नतीजों पर गौर करें तो यह अंतर जमीन आसमान का है। मोह बांधता है, प्रेम आजाद करता है या यह कहे स्वतंत्र कर देता है। प्रेम शाश्वत गुण है, जीवन का आधार है, और कभी कम नहीं होता, बढ़ता ही जाता है। जबकि मोह स्वार्थ से पैदा होता है, और समय के साथ कम या खत्म भी हो जाता है। प्रेम ऊपर उठाता है पर मोह नीचे गिराता है। भाव प्रेम में इंसान महान हो जाता है और मोह में पड़ कर गिर जाता है। प्रेम अटूट है कभी भंग नहीं होता, जबकि मोह भंग हो जाता है। मोह खुद के लिए किया जाता है और प्रेम दुसरो के लिये। लोग प्रायः मोह को ही प्रेम समझ बैठते हैं और दुःखी हो जाते है। प्रेम यहाँ आनंद देता है वही मोह दुःख,दर्द ओर पीड़ा देता है।मोह में इंसान सही या गलत के मायने नही रखता।

उदाहरण ---- पंछी अपने बच्चों को जन्म देते हैं उनका पालन पोषण करते हैं उनके रहने के लिए घोंसला बनाते हैं जब तक वो बड़े ना हो जाए उनका पूरा ख्याल रखते हैं उनके खाने के लिए दाना लाते हैं और सुरक्षा के लिए हमेशा उनके साथ रहते हैं लेकिन जब उड़ने लगते हैं ओर बड़े हो जाते है तो उन पर कोई पाबंदी नहीं लगाते हैं उन्हें उड़ने देते हैं।

पंछी अपने बच्चों के आत्मनिर्भर होने के बाद उन्हें स्वतंत्र कर देते हैं उन्हें खुले आसमान में घूमने की आजादी दे देते हैं वह उन्हें रोकते नहीं हैं यह प्रेम है। पर इंसान अपने बच्चों से इससे उल्टा करता है वो हमेशा उनको बांध के रखता है। जब वह सक्षम भी हो जाते हैं तब भी उन्हें अकेला नहीं रहने देते है। हमारे इंसानो का प्रेम फिर मोह का रूप धारण कर लेता है। प्रेम आप किसी की आत्मा से करते है और मोह आपको किसी के शरीर या उसके रूप रंग से हो सकता

मोह / प्रेम

है।मोह का अर्थ है आकर्षण और आकर्षण का अर्थ है किसी का सुन्दर लगना, आप जब किसी सुन्दर वस्तु को बाजार में देखते है तो उसे पाने की इच्छा रखते है क्योंकि आप उस सुन्दर वस्तु से अपना घर सजाना चाहते है। जब आपको किसी व्यक्ति से मोह होता है तब आप उसके साथ भी ऐसा ही कर रहे होते है आप बस उस सुन्दर व्यक्ति से आपने घर सजाना चाहते है। प्रेम आपको तब होता है जब आप किसी को जानते है पहचानते है और वह व्यक्ति कैसा दिखता है कैसा है इससे आपको फर्क नहीं पड़ता।बस यही अंतर है दोनो में की प्रेम आज़ाद है ओर मोह एक तरह की क़ैद है। जिससे आप प्यार करते हो उसको पाना ,अपना बनाना या खुद से बांध कर रखना क्या यह प्रेम है ? नहीं असल में यह मोह है , इंसान मोह को प्रेम का नाम दे देता है क्योंकि जब आप किसी से सच्चा प्यार करते हैं तो उसको आजाद छोड़ देते हैं क्योंकि आपको उस पर भरोसा होता है कि वह व्यक्ति विशेष चाहे कुछ भी करें परंतु वह रहेगा आपका ही होकर हमेशा 7 विश्वास है एक ऐसी डोर होती है ,जो किसी भी रिश्ते के लिए बहुत जरूरी होती है 7 प्रेम ही है, जो अंधकार को प्रकाश में, निर्जीवता को जीवन में और मरघट को उद्यान में बदल देने की शक्ति रखता है। जैसे आग का गुण ऊष्णता है, वैसे ही आत्मा का गुण प्रेम है।प्रेम भाव में रहने से हमारी आत्मा परमात्मा से जुड़ जाती है। तो हमेशा प्रेम में रहे ओर मोह का त्याग कर दे।

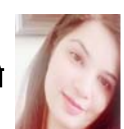

पायल वेदी
अंबाला

कार्यालय में राजनीति का क्या काम?

आपको याद होगा कि जब आपने नौकरी शुरू की थी, तब आपको ऐसा महसूस हुआ था कि यह मेरा ड्रीम प्लेस है और आपकी ऐसी ही कार्यालय में काम करने की ख्वाहिश थी। यहां सहकर्मी भी अच्छे हैं और बॉस का भी स्वभाव भी बहुत अच्छा है। आप अपने सहकर्मियों से किसी भी समस्या के संदर्भ में बात कर सकती हैं। धीरे-धीरे वक्त बीतता गया और कुछ साल बाद आपने यह बात दर्ज करनी शुरू की कि शुरुआती दौर में आपके कार्यस्थल का जो माहौल आपको अच्छा लगता था, अब वहां पर वैसा माहौल नहीं रह गया है। बहुत से लोग दफ्तर में राजनीति करने लगे हैं। कोई किसी की बुराई कर रहा है तो कोई किसी की टांग खिंचाई कर रहा है। लोग आपस में गुटबंदी भी कर रहे हैं। हालांकि कुछ बातों को ध्यान में रखकर आप कार्यस्थल की राजनीति से स्वयं को काफी हद तक दूर रख सकती हैं।

ईमानदारी से काम करना

कार्यस्थल में अपने काम से काम रखें। अपने कार्य को ईमानदारी, एकाग्रता और लगन के साथ पूरा करें। अपने कार्य से संबंधित नई-नई बातों को भी जानने की कोशिश करें। ऐसा करने से आपका ध्यान कार्यस्थल में होने वाली गपशप व राजनीति की ओर नहीं जाएगा। साथ ही अपने काम में आप और पारंगत होंगी।

स्पष्ट विचार

यदि किसी सहकर्मी की कोई बात आपको उचित नहीं लग रही है तो उससे स्पष्ट तौर पर और शालीनता के साथ अपनी असहमति जता सकती हैं। यदि आप इस पर अमल करती हैं तो कोई भी सहकर्मी आपसे इधर-उधर की बातें करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा।

सीनियर को पसंद नहीं

कोई भी सीनियर यह नहीं चाहता कि कार्यस्थल में लोग राजनीति करें। सीनियर्स आपकी कार्यक्षमता से मिलने वाले नतीजे चाहते है। इसलिए अपने काम पर ध्यान दें। यदि कोई सहकर्मी आपके पास बैठकर आपसे ऑफिस राजनीति की चर्चा करने की कोशिश करे तो उसे शालीनतापूर्वक मना कर दें कि पहले मैं अपना काम पूरा कर लूं। फिर आपसे बात करूंगी।

आलोचना से दूर

कार्यस्थल में लोग थोड़ी बहुत आलोचना या इधर-उधर की बातें तो करेंगे ही। बेहतर यही होगा कि जहां तक संभव हो आप ऐसे लोगों से दूर ही रहें। यदि बातचीत केदौरान आप यह महसूस करती हैं कि लोग किसी सहकर्मी की कुछ ज्यादा ही आलोचना कर रहे हैं तो उनकी हां में हां न मिलाएं। यदि संभव हो तो वहां से उठकर चली जाएं। कारण, जिस दिन आप उनके साथ नहीं होंगी, उस दिन वे अन्य लोगों से आपकी भी आलोचना करेंगे। इसलिए जब भी कोई किसी की आलोचना करे तो ऐसे लोगों से दूर ही रहें।

तारीफ तो बनती है

कुछ लोग शब्दों या व्यवहार के मामले में इतने मितव्ययी होते हैं कि दूसरे के अच्छे कार्यों की तारीफ खुलकर नहीं कर पाते, जबकि कुछ इतनी तारीफ करते हैं कि सामने वाला शर्मिंदा हो जाए। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें किसी बात से फर्क नहीं पड़ता। वे कभी किसी की तारीफ नहीं करते। कई बार बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि बच्चों की ज्यादा तारीफ नहीं करनी चाहिए, इससे वे बिगड़ सकते हैं। दूसरी ओर मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि तारीफ बच्चे का मनोबल बढ़ाती है।

क्यों जरूरी है प्रशंसा

प्रोत्साहन की जरूरत बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी होती है। घर से लेकर स्कूल-कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थल तक इसकी आवश्यकता पड़ती है। शिक्षक की जरा सी तारीफ से बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ सकता है तो पैरेंट्स का प्रोत्साहन उसे बेहतर भविष्य की ओर बढने को प्रेरित करता है। सराहना के चंद लफ्ज रिश्तों को खुशगवार बना सकते हैं। मां, तुम्हारे हाथों में तो कमाल है! बच्चे की छोटी सी तारीफ मां की डिक्शनरी का सबसे खूबसूरत वाक्य बन सकती है। इसी तरह कार्यस्थल में अच्छे कार्य की तारीफ कर्मचारी को बेहतर काम करने को प्रेरित करती है। लोग बाहर खाना खाते हैं तो बैरे को टिप देते हैं। टिप उसकी सेवाओं की तारीफ ही है। घर में खाने के बदले टिप नहीं दिया जाता, मगर सराहना में बोले गए शब्द खाना बनाने वाले को अहसास दिलाते हैं कि उसकी मेहनत को सम्मान मिल रहा है। सफाई कर्मचारी, घरेलू हेल्पर, कुक, गार्ड, ड्राइवर... ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनकी सेवाओं के बिना जिंदगी सहज नहीं हो सकती।

इतनी कंजूसी अच्छी नहीं

तारीफ सबको अच्छी लगती है। यह तनाव से मुक्ति भी दिलाती है। व्यक्ति को जीवन में आगे बढने के लिए सकारात्मक प्रोत्साहन की जरूरत पड़ती है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि तारीफ से किसी का जीवन बदल सकता है और तारीफ करने वाला भी सुखद अहसास से भर उठता है। ईमानदार प्रशंसा दूसरे की योग्यता व क्षमता में इजाफा करती है... तो फिर तारीफ में कंजूसी क्यों बरती जाए।

तारीफ करें कुछ ऐसे

शोध बताते हैं कि व्यक्ति की नहीं, उसके प्रयासों, मेहनत एवं काम की तारीफ की जानी चाहिए। जैसे, तुमने इस प्रोजेक्ट में बहुत मेहनत की है, तुम्हारी मेहनत रंग लाई है जैसे वाक्यों में यह संदेश छिपा है कि सफलता मेहनत व प्रयास से ही मिलती है। इसे वैज्ञानिक भाषा में प्रक्रिया की प्रशंसा (प्रोसेस प्रेज) कहा जा सकता है। दूसरी ओर तुम बहुत स्मार्ट हो, तुम इस काम को बेहतर कर सकते हो जैसे वाक्यों का अर्थ है कि सफलता एक निश्चित गुण के कारण मिलती है। इसे व्यक्ति की प्रशंसा (पर्सन प्रेज) कहा जा सकता है। शिकागो यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पांच वर्ष तक बच्चों की इन दो तरीकों से की गई तारीफ के कई दिलचस्प नतीजे निकले। ऐसे बच्चे, जिनके माता-पिता या टीचर्स ने उनके काम या प्रयास की तारीफ की, दूसरे बच्चों के मुकाबले चुनौतीपूर्ण काम हाथ में लेना पसंद करते थे, विफलता से जल्दी उबरते थे, क्योंकि इससे उन्हें सीखने को मिलता था। वे मेहनत से उपजी योग्यता पर भरोसा करते थे। प्रशंसा व्यक्ति के कार्य का सम्मान और पुरस्कार है। तारीफ करें, क्योंकि सराहना के थोड़े से शब्द किसी को आत्मिक खुशी प्रदान कर सकते हैं तो किसी की जिंदगी भी बदल सकते हैं।

मन का बल जीत का संबल

वे पहाड़ों पर हौंसले से चढ़ती हैं। खेलों में नंबर वन बन जाती हैं। सीमा पर दुश्मनों को जवाब देने की रणनीति बनाती हैं। बोर्ड रूम में बैठकर कंपनी की पॉलिसीज डिस्कस करती हैं। साथ ही घर की मुश्किलों को भी हल कर लेती हैं। बच्चों की गाइड बनती हैं तो पति की साथी। इतना कुछ अपनी मानसिक ताकत के बल पर ही तो कर पाती हैं वे। इनकी मेंटल स्ट्रेंथ ही इन्हें हर मौके पर दिलाती है जीत... हम कमजोर नहीं हैं। जब हमारी फिजिकल स्ट्रेंथ जवाब देने लगती है तो हम जीतते हैं अपनी मेंटल स्ट्रेंथ से। समाज हमारी शारीरिक स्ट्रेंथ को ही देखता है। हमें शारीरिक रूप से कमजोर समझता है, लेकिन हमारी मानसिक ताकत हर चुनौती का सामना कर सकती है और जब हमारी फिजिकल स्ट्रेंथ और मेंटल स्ट्रेंथ मिल जाती है तो कौन सा ऐसा रास्ता है जिस पर हम आगे नहीं जा सकतीं। एयरफोर्स की स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी को नाज है महिलाओं की मेंटल स्ट्रेंथ पर। एयरफोर्स की ऑफिसर के रूप में अच्छी प्रशासक तो हैं ही तूलिका, अपने शौक और जुनून के चलते वह एवरेस्ट भी फतह कर चुकी हैं। सिर्फ तूलिका ही नहीं हर महिला अपनी मानसिक मजबूती की वजह से जब-तब एक मिसाल कायम कर देती है। सशस्त्र बलों से लेकर स्पोर्ट्स, एडवेंचर तक कोई भी फील्ड ले लें या होममेकर की भूमिका देख लें, हर जगह ये अपनी मेंटल स्ट्रेंथ के बल पर जीत हासिल करती हैं और अपने जज्बे का लोहा मनवाती हैं।

खुद बनाती हैं अपनी राह

फिल्म रेस टू के गाने लत लग गई और फिल्म ये जवानी है दीवानी के हिट सॉन्ग बलम पिचकारी में अपनी आवाज की बदौलत प्लेबैक सिंगिंग में जगह बनाने वाली युवा गायिका शालमली खोलगड़े भी अपनी मानसिक ताकत के बल पर मुकाम हासिल करने की बात कहते हुए कहती हैं, महिलाओं की मेंटल स्ट्रेंथ तो सदियों से है। औरत हमेशा से मजबूत रही है। लड़कियों में जो पावर है उसकी वजह से दुनिया में कई चीजें चलती हैं। हम महिलाएं अगर किसी मुकाम पर पहुंच पाती हैं तो सिर्फ और सिर्फ अपनी मानसिक मजबूती से।

कमजोर मानना महज मिथ

महिलाएं प्रैक्टिकल थिंकर होती हैं। वे जन्म से ही मेंटली स्ट्रांग और मल्टीटॉस्कर होती हैं। जब घर में होती हैं तब भी चार काम साथ कर रही होती हैं और सोच भी रही होती हैं। जब बाहर होती हैं तो भी उनका दिमाग दो-तीन स्तरों पर चल रहा होता है। वे कामों को एक्जीक्यूट भी कर रही होती हैं और प्लान भी। ऐसी मल्टीटॉस्किंग तभी संभव है, जब वे मानसिक तौर पर मजबूत हों। महिलाओं की स्ट्रेंथ को परिभाषित करती कात्यायनी को लगता है कि महिलाएं मेंटल लेवल पर तो सशक्त हैं ही, वे फिजिकली भी किसी से कम नहीं है। वह कहती हैं, यह एक मिथ है कि हम शारीरिक रूप से कमजोर हैं।

आज महिलाएं वेट लिफ्टिंग कर रही हैं, स्टंट, कुश्ती,

करें रिश्तों की साफ-सफाई

अगर झाड़-पोंछ न की जाए तो घर के कोने-कोने में धूल जम जाती है। ठीक इसी तरह हमारे रिश्ते-नातों पर अनजाने में सिलवटें पड़ जाती हैं। वक्त के साथ उन पर धूल की परतें भी जम जाती हैं। वजह कुछ भी हो सकती है। समय-समय पर यदि हम अपने रिश्तों पर जमी धूल साफ करते रहें तो प्यार और मिठास बनी रहती है। दीपाली व्हाट्स एप और फेसबुक पर दोस्तों से चैटिंग कर रही हैं। साथ ही साथ अपने फोटोग्राफ्स भी अपलोड कर रही हैं। वह दूसरों की फोटोज लाइक कर रही हैं और उनके विचारों पर अपने कमेंट भी दे रही हैं। अगर उन्हें किसी सेमिनार में रिश्ते-प्यार टॉपिक पर अपनी राय देने को कहा जाए तो शर्तिया वे सबसे अव्वल साबित होंगी, पर पार्टी, गैदरिंग, नाते-रिश्तेदारों के साथ महंगे गिफ्ट्स का आदान-प्रदान, सोशल साइट्स पर गर्मजोशी से मुबारकबाद के वर्चुअल लेन-देन के बावजूद आज उन्हें कुछ खालीपन का अहसास हो रहा है। उन्होंने अपने मन को टटोला। उन्हें लगा कि पिछले काफी दिनों से उन्होंने पति के साथ बैठकर अपनत्व भरी दो-चार बातें भी नहीं की हैं। बच्चे भी अपनी-अपनी दुनिया में मस्त हैं। परिवार के सभी सदस्य एक-दूसरे से प्यार तो करते हैं, लेकिन सभी अपने-आप में सिकुड़े हुए हैं। व्हाट्स एप पर वे लोग एक-दूसरे का हाल-चाल तो जान जाते हैं, लेकिन आमने-सामने बैठकर एक-दूसरे से बातचीत करने के लिए शायद किसी के पास न तो वक्त है और न चाहत। कोई भी सदस्य जान-बूझकर एक-दूसरे की उपेक्षा नहीं करता है, लेकिन रिश्तों में गर्माहट भी नहीं है। यह कहां खो गई है? आमने-सामने का संवाद ऑफिस गोअर नीता की फेसबुक फ्रेंड हैं भावना। उनसे सोशल साइट्स पर घर-परिवार, ऑफिस संबंधी बातों पर रोजाना लंबी चैटिंग होती रहती है। एक दिन जब वे दोनों ऑफिस के गलियारे में मिलीं, आपस में हाय-हलो के अलावा ज्यादा कुछ बातचीत नहीं हुई। कई बार हम ऑफिस के लोगों से सोशल साइट्स पर खूब बात करते हैं, लेकिन मिलने पर अनजाने व्यक्ति की तरह एक-दूसरे को अनदेखा कर देते हैं। कहानीकार अनीता शर्मा कहती हैं, 'सोशल नेटवर्किंग साइट्स और ईमेल ने शुभकामना संदेश भेजना काफी सुलभ कर दिया है, लेकिन वर्चुअल की बजाय आमने-सामने कम्युनिकेशन बेहद जरूरी है। ऑनलाइन गिफ्ट भेजना काफी मैकेनिकल लगता है। अगर आप अपने हाथों से दोस्तों-रिश्तेदारों को छोटा-मोटा उपहार भी देंगे तो उनके

मन पर आपकी छाप अमिट होगी। आपके दिए सामान का जब वह व्यक्ति उपयोग करेगा तो एकबारगी आपका नाम जरूर लेगा।' आमने-सामने की खुशनुमा बातचीत से रिश्तों में गर्मजोशी बनी रहती है। कुछ बरस पहले तक हम नए साल, जन्मदिन या तीज-त्योहारों के अवसर पर कार्ड खरीदकर लोगों को भेजा करते थे। सहेजे गए कार्डों पर गाहे-बगाहे जब हमारी नजर जाती थी तो भेजने वाले व्यक्ति के साथ बिताए पलों की याद हमें बरबस आ जाती थी और हम भाव-विह्वल हो जाते थे। अब तो हम इन अवसरों पर ई कार्ड भेजकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। इससे कर्तव्य तो पूरे हो जाते हैं, लेकिन भूले-बिसरे मित्रों से किसी खास अवसर पर मिलकर रिश्तों की बैटरी रीचार्ज की जा सकती है।

परंपराओं की खुशबू

अमित मुंबई में एक इलेक्ट्रॉनिक चैनल में काम करते हैं। उन पर ऑफिस का वर्क प्रेशर बहुत अधिक है। इसलिए पिछले दो वर्षों से वह अपने बूढ़े माता-पिता से मिलने गांव नहीं जा पाए हैं। जबकि माता-पिता लंबी छुट्टियों खासकर गर्मी की छुट्टी या किसी खास तीज-त्योहार के अवसर पर टकटकी लगाकर बेटे-बहू का इंतजार करते रहते हैं। हालांकि फोन पर उन लोगों की बात हो जाती है। सोशल साइट्स पर उनके पिता सक्रिय हैं, इसलिए अमित और उनके परिवार की फोटो वे दोनों देख लेते हैं। अमित कई बार उन दोनों को ऑनलाइन गिफ्ट भी भेज चुके हैं। डॉक्टरों से यदि उन दोनों का रूटीन चेकअप कराना है तो फोन पर डॉक्टर से मिलने की टाइमिंग भी फिक्स कर लेते हैं, लेकिन खुद उनसे मिलने की फुर्सत उनके पास नहीं है। इस संदर्भ में समाज विज्ञानी सुहानी शेखर कहती हैं कि आज के युवाओं के मन में मां-पिता के प्रति पूरा आदर-भाव है। तकनीक और महंगे उपहारों के सहारे वे उनके सामने यदा-कदा अपना भाव प्रकट भी करते हैं, लेकिन ज्यादातर माता-पिता को इन चीजों की दरकार नहीं होती है। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे किसी खास अवसर पर घर आएं, उनसे मिलकर बोलें-बतियाएं। रिटायर्ड प्रोफेसर रामसागर सिंह कहते हैं, 'पहले त्योहारों के अवसर पर नाते-रिश्तेदार जुटते थे। एक-दूसरे सेमिलना-मिलाना होता था। लोकगीत गाए जाते थे। गीत से बड़े-बुजुर्गों के आशीष के साथ रिश्तों में मिठास भी बनी रहती थी, पर अब यह सब खत्म हो गया है।' यह सच है कि तरक्की ने हमारे लिए समृद्धि के संसार खोले, लेकिन इस फेर में हमने पुरानी सुखद परंपराओं का त्याग कर दिया, जिसे उचित नहीं कहा जा सकता है।

हमें उसे जिंदा रखने की कोशिश करनी चाहिए। परंपराओं की खुशबू रिश्तों को जीवंत बनाये रखती है।

फैमिलीज बदल रही हैं...

व्यर्थ के तनावों से बचने के लिए न्यूएज कपल्स ने रिश्तों को बचाने की पहल कर दी है। थोडा तुम बढ़ो, थोड़ा हम की तर्ज पर बेटा-बहू और माता-पिता आगे बढ़ रहे हैं। नए जमाने का यह संयुक्त परिवार खुशहाल है। एक सिस्टम के तहत सभी सदस्यों ने परिवार को जोड़कर रखा है। इनको देखकर लगता है फैमिलीज बदल रही हैं, हम फिर पास... और पास आ रहे हैं... वे उठ जाती हैं सुबह-सवेरे और रात में काटी गई सब्जी छौंक देती हैं। बहू उठती है, सबको चाय देती है, चपाती बनाती है। अपना टिफिन लगाती है। बच्चे को तैयार करके स्कूल छोड़कर आती है। खुद तैयार होती है और ऑफिस के लिए निकल जाती है। वे सुनिश्चित करती हैं कि बहू को ऑफिस के लिए देर न हो जाए। बाद में वे पति के काम करती हैं उनके साथ बैठती हैं, ढेर सारी बातें करती हैं। बीच में बेटा उठ जाता है। मां को हेल्प करता है और खुद ऑफिस जाने की तैयारी करता है। बच्चा स्कूल से आता है, वे उसे रिसीव करती हैं, उसकी तोतली जुबान में दिनभर की दास्तान सुन कर निहाल होती हैं। उसे रिलैक्स करती हैं और खुद भी आराम करती हैं। शाम को बहू पहले आती है। सबसे पहले सासू मां के पास बैठती है। पूछती है कि उनका दिन कैसा बीता? मॉम आज कुछ नया खाने का मन है? वे कहती हैं कि तुम थकी हो, मैं चाय बना देती हूं लेकिन बहू कहती है कि आपने दिनभर काम संभाला, अब मैं कर लूंगी सब। पिता देखते हैं जब सास-बहू की इस केमिस्ट्री को तो संतोष महसूस करते हैं। उन्हें विश्वास हो जाता है कि कभी बीमार पड़े तो बहू साथ देगी। फिर बेटा आता है, सब बच्चे के साथ खेलते हैं। डाइनिंग टेबल पर बातचीत चलती है। हंसी-खुशी दिन पूरा हो जाता है। यह है कांतिजी के खुशनुमा परिवार की तस्वीर। हर दिल इसे अपने घर में उतारना चाहेगा। थोड़ा सा एडजस्टमेंट और एक-दूसरे की मजबूरी समझने की समझदारी ने आज फिर से संयुक्त परिवारों के रास्ते खोल दिए हैं। न कोई चिक-चिक, न कोई खट-पट। बस तरक्की के सपने और सपोर्ट करने की चाहत है यहां।

गणित सुकून का

मैं हर दिन पश्चिमी परिधान में ऑफिस जाती हूं। किसी रिश्तेदार के घर आने या मेरे उनके यहां जाने पर अगर वह मुझसे साड़ी पहनने की उम्मीद करती हैं तो मैं इतना तो कर ही सकती हूं। वह खुश हो जाती हैं और हमारा वीकएंड अच्छा गुजरता है। अगर इसकी जगह मैं अपने कंफर्ट को प्राथमिकता दूं या उनकी उम्मीदों को जबर्दस्ती का दर्जा दूं तो हम दोनों ही परेशान होंगे। इससे फायदा भी तो नहीं है न कुछ।' न्यू जॉएंट फैमिलीज में एडजस्टमेंट को काफी पॉजिटिव लेती हैं मोनालिका। कंप्यूटर इंजिनियर हैं। बड़ी कंपनी में काम कर रही हैं, लेकिन परिवार के साथ रहकर सुकून महसूस कर रही हैं। वह कहती हैं, जहां मुझे लगता है कि मुझे मॉम की यह बात

माननी चाहिए, वहां मैं उनकी बात मान लेती हूं और जहां उन्हें लगता है कि मुझे मुश्किल हो रही है वे छूट' दे देती हैं।'

फैमिली पर दिल आ गया

शादी के लिए लड़की देखने आया परिवार उससे कुछ इस तरह से घुल-मिलकर बात करता है कि वह कहती है, फैमिली पर दिल आ गया...,' और शादी तय हो जाती है। परिवार के लोग डाइनिंग टेबल पर साथ बैठकर नहीं खाते तो दादी मां टेबल ही बेच देती हैं। कहती हैं, हम टेबल पर बैठकर खाते ही कब थे...।' परिवार गलती मानता है। नई टेबल आती है और सब बैठकर हंसी-खुशी खाना खाते हैं। अगर इन खुशनुमा विज्ञापनों को हम समाज में बदलते ट्रेंड का आईना मानें तो आज फैमिलीज बदल रही हैं। हम पास आ रहे हैं। कीमती रिश्तों की अहमियत समझ रहे हैं। आपस की अंडरस्टैंडिंग को बढ़ा रहे है। जॉएंट फैमिली व रिश्तों की जरूरत समझते हुए न्यू कपल्स ने समझदारी से काम लेना शुरू कर दिया है। क्रेडिट बुजुर्गों को भी जाता है कि उन्होंने नई लाइफ स्टाइल में खुद को ढाला है। शायद उनके लिए शहरी-महानगरीय संस्कृति में रमना ज्यादा कठिन था, लेकिन उन्होंने बच्चों की सहूलियत को प्राथमिकता दी और खुद को बदलने की कोशिश की। नए जमाने के ये संयुक्त परिवार खूब एंजॉय कर रहे हैं। एक सिस्टम बनाया है इन्होंने, जिसके तहत सभी सदस्य अपना-अपना काम करते हैं और एक-दूसरे की जरूरतों का ख्याल रखते हैं।

बढ़ी है शेयरिंग

हमारी जेनरेशन ने अपने पैरेंट्स की सुनी, लेकिन हम बच्चों को फ्रीडम दे रहे हैं। मैं जिस स्थिति से गुजरी हूं उसे बच्चों के सामने नहीं आने देना चाहती। अगर हमें बदलाव लाना है तो घर से ही शुरू करना होगा।' परिवारिक सोच में बदलाव की समर्थक हैं कुमकुम। उनका माना है कि जब आप बच्चों को सपोर्ट करेंगे तो वे भी आपसे वैसा ही व्यवहार करेंगे। अगर आप उन पर भरोसा करेंगे तो वे भी आप पर भरोसा करेंगे। फैमिलीज में बदलाव और फैमिली मेंबर्स के बीच बेहतर सामंजस्य का क्रेडिट वे शेयरिंग को देती हैं। वह कहती हैं, चूंकि आज फैमिली में शेयरिंग बढ़ी है इसलिए सभी सदस्य एक-दूसरे की मुश्किलें और सहूलियतें समझने लगे हैं। पहले हम पर ढेर सारी बंदिशें थीं तो हमारी ग्रोथ नहीं हो पाई। रोक-टोक से प्रोग्रेस रुक जाती है। बच्चों की प्रोग्रेस हमारी ही तो प्रोग्रेस है।'

यूं बदली है सोच

एक समय था कि जब शादी के बाद मां लड़की को कहती थी कि ससुराल में जो भी कहा जाए सिर झुका कर मान लेना, किसी से बहस नहीं करना, सबका मन जीतना, हमारा नाम नहीं डुबोना...। मां की इस सीख के बाद लड़की हर तरह का त्याग करती। फिर एक दौर ऐसा भी आया जब लड़कियां ससुराल की शिकायत मां को सुनातीं तो वे कहतीं कि तुम तो बस अपना देखो। बाकी सब को जाने दो। इस दौर में स्वार्थ आगे आया तो संयुक्त परिवार टूट गए। एक शहर में रहते हुए बहू-बेटे ने ससुराल से किनारा कर लिया और न्यूक्लियर फैमिली के रूप में जीवन जीने को अहमियत दी, लेकिन आज की भागमभाग वाली जिंदगी में संयुक्त परिवार की जरूरत फिर महसूस होने लगी है। वैसे अब केवल चार लोगों के परिवार को भी संयुक्त परिवार कहते हैं। जिसमें सास-ससुर, बेटा-बहू रहते हैं। ये चारों जान गए हैं कि अलगाव सब पर भारी है।

एथेंस में एक कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी देखते हुए लोग।

चीन ने भारतीयों के स्पेशल फ्लाइट से उड़ान भरने पर लगाई रोक

बीजिंग। कोरोना वायरस के कारण चीन में फंसे राजनयिकों के परिवारों सहित कई भारतीयों पर शी जिनपिंग सरकार ने उड़ान भरने से रोक लगा दी। सोमवार की सुबह नई दिल्ली से ग्वांगझोउ शहर के लिए एक विशेष एयर इंडिया के विमान को उड़ान भरना थी, लेकिन उसे अनुमति नहीं दी गई। इसके पीछे 21 जून को शंघाई की स्पेशल फ्लाइट में दो भारतीयों के कोविड-19 पॉजिटिव आने की वजह बताई गई है। सोमवार को %वंदे भारत मिशन% के तहत विशेष एयरलिफ्ट और कूटनीतिक पासपोर्ट के साथ भी भारतीयों को अनुमति नहीं देने का चीन का यह फैसला एक संकेत है कि दोनों देशों के बीच कर्मशियल उड़ानों के जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना नहीं है। चीनी विदेश मंत्रालय ने सोमवार को लिखित बयान में कहा, %हाल ही में, चीन ने कुछ भारतीय राजनयिकों और उनके परिवारों की चीन में वापसी की व्यवस्था में मदद की है।

नेपाल के बाद श्रीलंका का झुकाव भी चीन की ओर, भारत से कहा कर्ज चुकाने के लिए मोहलत दें

कोलंबो। नेपाल के बाद श्रीलंका का झुकाव भी चीन की ओर हो गया है। श्रीलंका की राजपक्षे सरकार अंतर्राष्ट्रीय कर्जदाताओं से कर्ज लेने का प्रयास कर रही है, परंतु श्रीलंका को सबसे ज्यादा भरोसा चीन पर ही है, कि वह ही उस कर्ज देगा। एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार, श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से निजी तौर पर आग्रह किया था कि आर्थिक संकट को देखकर वह श्रीलंका को कर्ज चुकाने के लिए और मोहलत दें। राजपक्षे ने अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) से कर्ज से राहत देने का अनुरोध किया है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री कार्यालय का कहना है कि श्रीलंका ने सभी कर्जदाताओं से कर्ज चुकाने के लिए मोहलत देने की अपील की है,जिसमें भारत भी शामिल है।रिपोर्ट के अनुसार, 96 करोड़ डॉलर के भारतीय कर्ज की अदायगी के लिए मोहलत देने पर श्रीलंका व भारत में बात हो रही है। इसके अलावा श्रीलंका ने भारत से मुद्रा की अदला-बदली की सुविधा की मांग भी की है। भारत के विदेश मंत्रालय का कहना है कि श्रीलंका को वर्चुअल बैठक के लिए कहा गया है, लेकिन अभी तारीख तय नहीं हो सकी है। श्रीलंका ने वर्चुअल बैठक को लेकर अभी कुछ भी नहीं कहा है। पिछले हफ्ते श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे ने यूरोपीय यूनियन के राजदूत के एक समूह से कहा था कि श्रीलंका को नए निवेश की जरूरत है न कि नए कर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने कर्ज चुकाने में और मोहलत देने की मांग की थी। कोरोना वायरस की महामारी के वक्त से ही श्रीलंका कर्ज को चुकाने में आ रही समस्या से जूझ रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने गृह सचिव अजय भल्ला को पत्र लिखा

न्यूयॉर्क। एक प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता ने भारतीय अधिकारियों से भारतीय मूल के उन लोगों को देश जाने की अनुमति देने की प्रक्रिया तेजी से शुरू करने का अनुरोध किया है, जिनके पास अमेरिकी पासपोर्ट है, लेकिन ओसीआई कार्ड नहीं है,और उनका परिवार वहां किसी प्रकार की चिकित्सकीय आपात स्थिति का सामना कर रहा है। जयपुर फुट अमेरिका के प्रमुख प्रेम भंडारी ने इसबारे में गृह सचिव अजय भल्ला को पत्र लिखा है। भंडारी ने कोविड-19 के बीच अमेरिका में फंसे कई भारतीयों को घर वापस भेजने में मदद की है। उन्होंने भल्ला से आग्रह किया कि वैश्विक महामारी के दौरान भारत जाने के लिए भारतीय मूल के उन यात्रियों के लिए त्वरित यात्रा को सुगम बनाएं, जिनके पास विदेशी पासपोर्ट है लेकिन भारत जाने के लिए हो सकता है उनके पास वीजा या विदेशी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्ड न हो।

जापान ने जी7 में द.कोरिया को शामिल करने के अमेरिकी प्रस्ताव का विरोध किया

टोक्यो। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले माह भारत सहित रूस, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को इस साल के जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल करने का प्रस्ताव जापान ने विरोध किया है। जापान ने जी 7 में द. कोरिया को शामिल करने के अमेरिकी प्रस्ताव पर आपत्ति जाहिर की है।जापान का कहना है कि चीन और उ.कोरिया से संबंधित अहम मुद्दों पर दक्षिण कोरिया, जी7 के देशों से अलग राय रखता है।राजनियक सूत्रों का हवाला देकर जापान की एक न्यूज एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले माह भारत सहित रूस, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया को इस साल के जी 7 शिखर सम्मेलन में शामिल करने का प्रस्ताव दिया था। उन्होंने जी7 को पुराना करार देकर वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप होने की बात कही थी। विश्व की सात बड़ी अर्थव्यवस्था के समूह में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस और इटली पहले से ही शामिल हैं। इनमें एशिया महाद्वीप से जापान एक मात्र देश है।न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस विशेष दर्जे को जापान खोना नहीं चाहता है। इस वर्ष का जी 7 शिखर सम्मेलन इसी माह होने वाला था, लेकिन कोरोना के चलते अब इस सितंबर में आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तान से आने वाली सभी उड़ानों पर यूएई ने लगाई रोक

वाशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामलों की रफ्तार तेज़ी से बढ़ रही है। इस बीच यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) सरकार ने इंटरनेशनल फ्लाइट के नियमों में कुछ बदलाव किए हैं, जिनके तहत पाकिस्तान से आने वाली सभी उ़ड़ानों को रद्द कर दिया गया है। संयुक्त अरब अमीरात की विमान अथॉरिटी ने एक आदेश जारी कर पाकिस्तान से आने वाले विमानों की सेवा को बंद करने का निर्देश दिया है। आदेश में कहा गया है कि जबतक एयरपोर्ट पर टेस्टिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं होती है और जांच की स्थिति नहीं बदलती है, तबतक यह स्थिति जारी रहेगी। सरकार ने आदेश दिया है कि अब एयरपोर्ट पर ही कोरोना वायरस का टेस्ट किया जाएगा। जबतक अब टेस्टिंग लैब नहीं बनती है, तबतक किसी यात्री को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अगर कोई ट्रांजिशनल फ्लाइट ले रहा है, तो भी उसे प्रवेश नहीं मिलेगा। वह सिर्फ एयरपोर्ट से ही फ्लाइट चेंज कर आगे जा सकता है। यूएई ने कुछ दिनों के लिए ही नियमों में बदलाव किया है और यात्रियों से अपील की है कि वो अपनी एयरलाइंस के संपर्क में बने रहें। दरअसल, 1 जुलाई से यूएई व्यापक तौर पर विमान सेवा शुरू करने वाला था लेकिन अब आने वाले यात्रियों के लिए गाइडलाइंस तैयार की गई हैं। इस नए नियम के तहत अगर किसी के पास ऐसी रिपोर्ट नहीं है जो साबित करती हो कि यात्री ने पिछले 72 घंटे में टेस्ट करवाया है और वह कोरोना नेगेटिव आया है, उसे यात्रा नहीं करने दी जाएगी। उधर, पाकिस्तान में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कुल केस की संख्या दो लाख को पार कर चुकी है, ऐसे में हर देश सतर्कता बरत रहा है।

हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक रैली में एकत्र लोगों को देखते हुए पुलिसकर्मी।

आतंकी हाफिज सईद के भारतीय मूल के वकील का हुआ निधन

लाहौर। मुंबई आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद के भारतीय मूल के वकील का निधन हो गया। भारत में जन्मे 86 साल के अब्दुल्ला खान डोगर ने रविवार को अस्पताल में अंतिम सांस ली। बंटवारे के बाद डोगर का परिवार यूपी के रामपुर से पाकिस्तान चला गया था। वह लाहौर उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश मामून राशिद शेख के ससुर थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। डोगर कई वर्षों तक जमात-उद-दावा के प्रमुख के वकील रहे और 2008 मुंबई आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तानी अदालतों में उन्होंने सईद के मामले की पैरवी की थी।मुंबई हमले में 166 लोग मारे गए थे। वह आतंक वित्तपोषण मामलों में भी सईद के प्रमुख वकील थे। मामले में सईद को 11 साल की सजा सुनाई गई थी। डोगर ने पूर्व सैन्य तानाशाह जनरल (सेवानिवृत्त) परवेज मुशर्रफ के तख्तापलट को 1999 में उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। इसके अलाव पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को हिरासत में लेने के खिलाफ उनकी पत्नी कुलसुम नवाज का केस भी लड़ा था।

कराची के स्टॉक एक्सचेंज पर आतंकी हमला 9 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। कराची के स्टॉक एक्सचेंज में सोमवार को हुए आतंकी हमले में तथा बाद में सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। पाक के जियो न्यूज चैनल के मुताबिक मृतकों में 4 आतंकियों के अलावा 5 अन्य लोगों की मौत हुई है। जबकि कई अन्य घायल हैं। हमले की सूचना मिलने के बाद पाकिस्तान रेंजर्स के जवान भी घटनास्थल पर पहुंचे। रेंजर्स के मुताबिक पाकिस्तान के स्टॉक एक्सचेंज में घुसे चारों आतंकियों को मार गिराया गया है। बताया जा रहा है कि घायलों में कई की हालत नाजुक बनी हुई है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, स्टाक एक्सचेंज खुलते ही बिल्डिंग में घुसे 4 आतंकियों ने अंधाधुंध गोलियां चलाई। आतंकियों ने मेन गेट के पास ग्रेनेड भी फेंका। जानकारी के मुताबिक पहला कारोबारी दिन होने के कारण काफी लोग एक्सचेंज में मौजूद थे। इसमें से एक हमलावर को गेट पर मारा गया, जबकि दो को स्टॉक एक्सचेंज के अंदर मारा गया। हमले की जानकारी मिलने के बाद पहुंचे पाकिस्तानी रेंजर्स और सिंध पुलिस के जवानों ने बिल्डिंग में फंसे लोगों को बाहर निकाला इस दौरान मेन गेट को सील कर दिया गया। लोगों को बाहर निकालने के लिए पिछले गेट का उपयोग किया गया। अब सुरक्षाकर्मी पूरी बिल्डिंग की तलाशी ले रहे हैं। सुरक्षाबलों ने बिल्डिंग के आस-पास का इलाका भी सील कर दिया है। आसपास की बिल्डिंगों पर स्लाइनपर्स भी तैनात किए हैं। मारे गए आतंकियों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। वहीं अधिकारियों ने बताया है कि कई घायलों की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है।

विश्व टीम टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी वीनस विलियम्स

वाशिंगटन । वीनस विलियम्स पश्चिमी वर्जीनिया में 12 जुलाई से शुरू होने वाली विश्व टीम टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। यह 15वां अवसर होगा जबकि विश्व की यह पूर्व नंबर एक खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। वीनस तीन सप्ताह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली नौ टीमों में से वाशिंगटन कैस्टल्स का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस प्रतियोगिता के मैच आम तौर पर देश के विभिन्न स्थानों पर खेले जाते हैं, लेकिन कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए आयोजकों ने इस बार इसका आयोजन एक ही स्थल पर करने का निर्णय लिया है। वीनस ने अपने करियर में सात ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें पांच विंबलडन और दो यूएस ओपन के खिताब हैं। उन्होंने अपनी छोटी बहन सेरेना के साथ मिलकर 14 महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब भी जीते हैं। विश्व टीम टेनिस के आउटडोर कोर्ट पर खेले जाने वाले प्रत्येक मैच में 500 दर्शकों को आने की अनुमति होगी। इंडोर कोर्ट में केवल 200 दर्शकों और 50 कर्मचारियों को ही आने की अनुमति मिलेगी।

एफए कप फुटबॉल : मैनचेस्टर यूनाईटेड सेमीफाइनल में पहुंची

लंदन । कोरोना वायरस संक्रमण के तीन महीने बाद शुरु हुए खेल मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाईटेड ने नोर्विच सिटी क्लीब को अतिरिक्त समय में 2-1 से हराकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी है। अतिरिक्त समय में सेंटर हाफ हैरी मैग्वायर ने गोल दागकर मैनचेस्टर यूनाईटेड टीम को जीत दिला दी। नोर्विच के गोलकीपर टिम क्रूल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड के पांच हमलों को विफल किया पर अंतिम क्षणों में वह गोल बचाने में कामयाब नहीं हुए। वहीं दूसरी और इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में वोल्वरहैंपटन चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है। मिडफील्डर लिएंडर डेनडोनकर के दूसरे हाफ में किये गोल से वोलव्स की टीम ने एस्टन विला को 1-0 से पराजित किया। इस जीत से वोलव्स की टीम को प्रीमियर लीग में छठे स्थान पर मौजूद यूनाईटेड के मुकाबले तीन अंकों की बढ़त मिल गयी है। टीम अभी चौथे स्थान पर मौजूद चेल्सी से दो अंक ही पीछे है।

स्टीव स्मिथ के खिलाफ क्या रणनीति अपनाएंगे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज, यह देखने को बेताब हूं: आथर्टन

कोलकाता। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइक आथर्टन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आगामी टेस्ट सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। आथर्टन देखना चाहते हैं कि इस बार टीम इंडिया के तेज गेंदबाज स्टीव स्मिथ जैसे बल्लेबाज के लिए क्या रणनीति बनाते हैं। भारत जब 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गया था तो स्मिथ और डेविड वॉर्नर एक साल का प्रतिबंध झेल रहे थे। भारत ने यह सीरीज 2-1 से जीतकर पहली बार ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सीरीज अपने नाम की थी। आथर्टन ने कहा मैं यह देखने के लिए बेहद उत्सुक हूं कि भारत स्मिथ लिए कैसी रणनीति बनाता है। उनकी बल्लेबाजी का अलग तरीका है। वह अपरंपरागत हैं लेकिन मैं उनकी बल्लेबाजी देखने काआनंद लेता हूं। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि खेल तब बेहतर बन जाता है, जब उसे कुछ ऐसे लोग खेल रहे हों, जिनके खेलने का तरीका पूरी तरह से भिन्न हो। आथर्टन ने हालांकि कहा कि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा जैसे अच्छे तेज गेंदबाजों की उपस्थिति में मुकाबला बराबरी का बन गया है। उन्होंने कहा भारतीय क्रिकेट प्रशंसक जिस वजह से उम्मीद करेंगे वह उसका मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है।

जेमिमा रॉड्रिग्स ने कहा, क्रिकेट खिलाड़ी नहीं होने पर यकीनन हॉकी खिलाड़ी बनतीं

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी जेमिमा रॉड्रिग्स का कहना है, कि अगर वह क्रिकेटर न होती,तब यकीनन हॉकी प्लेयर बनतीं। कार्यक्रम के दौरान रॉड्रिग्स ने कहा 7-8 साल की उम्र मैं पादरी की बेटी के साथ हॉकी खेलती थी। 11 साल की उम्र में मैं महाराष्ट्र के लिए अंडर-17 टीम में आ गई। मुंबई जब अलग टीम बनी, तब मैंने मुंबई अंडर-19 के लिए खेला। मेरे माता-पिता को भी लग रहा था कि मैं हॉकी में करियर बनाऊंगी ।लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रोड्रिग्स ने हॉकी खेल में आती दिक्कतों पर बात करते हुए कहा इस खेल के पास न तो पर्याप्त पैसा है न ही सुविधाएं। मुझे याद है जब हम एक मैच के लिए छत्तीसगढ़ गए थे। 24-घंटे का वह सफर था। हम 18 लड़कियां थे और हमारे पास सेकेंड क्लास की सिर्फ 4 टिकटें थीं। टूर्नामेंट के दौरान सभी 18 लड़कियों को एक ही क्लासरूम में ठहराया गया था। बाथरूम सबसे खराब थे, हमें हमारे चेहरे पुरुष मूत्रालय में लगे पाइप से आने वाले पानी से धोना पड़ता था! लेकिन मुझे हॉकी पसंद थी। मैं इसी में बनी रहना चाहती थी। रोड्रिग्स ने कहा, हालांकि उस दौर में मैं हॉकी के साथ क्रिकेट भी खेला करती थी। उस साल मैंने अच्छा क्रिकेट खेला। मैं राज्य स्तर पर आ गई थी। आखिरकार, मेरे पिताजी ने मुझसे कहा कि मुझे किसी एक को चुनना होगा। यह बहुत मुश्किल फैसला था। लेकिन उस समय, हॉकी की तुलना में क्रिकेट में मेरा चयन उच्च स्तर पर हो गया था,इसकारण मैंने क्रिकेट में आगे बढने का फैसला कर लिया। रोड्रिग्स ने साफ किया कि उनकी मां को अभी भी उनकी हॉकी की प्रतिभा पर भरोसा है। उनका कहना है, मुझे आज भी लगता है जेमिमाह देश के लिए हॉकी खेल सकती है।

इंग्लिश क्रिकेट टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटे आफ स्पिनर अमर विर्दी

लंदन। इंग्लैंड के ऑफ स्पिनर अमर विर्दी के पास भले ही अनुभव की कमी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि 8 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वह टीम में जगह बनने में सफल रहेंगे। प्रथम श्रेणी में महज 23 मैचों के अनुभव वाले 21 साल के इस खिलाड़ी को टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए जैक लीच, डॉम बेस, मैट पार्किंसन और मोईन अली जैसे अधिक अनुभवी स्पिनरों को पछाड़ना होगा। सरे की ओर से खेलने वाले अमर विर्दी को वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए 30 सदस्यीय ट्रेनिंग ग्रुप में शामिल किया गया है। अगर वह टीम में जगह बनाने में सफल होते हैं, तो मोंटी पनेसर और रवि बोपारा के बाद सिख समुदाय के तीसरे खिलाड़ी बनेंगे। विर्दी ने शुक्रवार को कहा जाहिर है कि मैं यहां हूं इसलिए मैं चाहता हूं कि टेस्ट क्रिकेट खेलूं। मैं अपनी तरफ से पूरा प्रयास करता रहूंगा, ताकि टीम में जगह बना सकूं।' विर्दी ने कहा कि वह पहले टेस्ट के लिए टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं वास्तव में इस तरह प्रभावित करने की कोशिश नहीं करता हूं।

किसी को नीचे गिराकर नहीं, अपनी मेहनत से नंबर 1 बनो

नई दिल्ली। अपनी कड़ी मेहनत से नंबर 1 बनो, किसी को नीचे गिराकर नहीं। यह कहना है टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली का। इस बात का खुलासा करते हुए टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने बताया कि मैं उनसे दो दिन पहले ही बात कर रहा था। मैंने उनसे पूछा कि उनकी कामयाबी का राज क्या है ?% उन्हें विराट ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, (खेल के प्रति) तुम्हार व्यवहार अच्छा है, सब कुछ अच्छा है, तुम्हें बस एक ही बात दिमाग में रखनी है कि तुम्हें टॉप लेवल पर पहुंचना है, यहां निरंतरता को बरकरार रखना है। आपमें नंबर 1 बनने के लिए बड़ी भूख होनी चाहिए, जो सही दिशा में हो। किसी को नीचे धकेल कर नहीं। आपका यही लक्ष्य होना चाहिए कि आप अपनी कड़ी मेहनत और अपनी क्षमता के दम पर नंबर 1 बनेंगे। गौरतलब है कि हार्दिक पंड्या ने सीमित ओवरों की क्रिकेट में अपना इंटरनैशनल डेब्यू एमएस धोनी की कप्तानी में किया था, जबकि उनके टेस्ट करियर का आगाज विराट की कप्तानी में हुआ था। इसके अलावा हार्दिक आईपीएल में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलते हैं। 26 वर्षीय इस खिलाड़ी ने कहा, %अब मैं जानता हूं कि कैसे और क्यों विराट इतने निरंतर हैं। रोहित शर्मा, एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी भी नंबर 2 पर रहना पसंद नहीं करते। एक ही समय पर ये खिलाड़ी अगर नंबर दो पर आते हैं, तब वे इसकी परवाह नहीं करेंगे। अपने करियर में अभी तक 11 टेस्ट, 54 वनडे और 40 टी20 खेल चुके इस ऑलराउंडर ने कहा, ये खिलाड़ी नंबर 1 बनना चाहते हैं, लेकिन यह उनकी महानता है कि अगर वह दूसरे स्थान पर भी आते हैं उन्हें कोई समस्या नहीं होती।

अडाणी ग्रीन एनर्जी जुटाएगी 2,500 करोड़ रुपये,शेयरधारकों की मंजूरी

नई दिल्ली। पांचवीं वार्षिक आमसभा में अडाणी ग्रीन एनर्जी को 2,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में मांगी गई थी। यह राशि एक या अधिक किस्तों और एक या अधिक मुद्राओं में जुटाई जाएगी। इसके अलावा यह भी प्रस्ताव किया गया था कि कंपनी का बोर्ड इक्विटी

कंपनी ने कहा कि 25 जून, 2020 को हुई सालाना आम बैठक में सभी प्रस्तावों को शेयरधारकों ने बहुमत के साथ मंजूरी दे दी। आमसभा के नोटिस में कहा गया है कि इस प्रस्ताव के तहत शेयरधारकों से 2,500 करोड़ रुपये का कोष जुटाने की अनुमति शेयर या कोई अन्य प्रतिभूति मसलन ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स या अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स या परिवर्तनीय तरजीही शेयर या परिवर्तनीय डिबेंचर या वॉरंट के साथ गैर परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर कोष जुटा सकता है।

पंजाब नेशनल बैंक ने ऋण गारंटी योजना के तहत तीन लाख एमएसएमई को ऋण की मंजूरी दी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कोरोना वायरस महामारी के कारण आर्थिक दिक्कतों से जूझ रहे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) के लिए पेश तीन लाख करोड़ रुपए की आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत अब तक करीब तीन लाख खातों को ऋण की मंजूरी दी है। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बैंक ने 25 जून तक 2,96,753 एमएसएमई खातों को आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत 6,757 करोड़ रुपए के ऋण की मंजूरी दी है। इनमें से 59,204 खातों को 2,030 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। बैंक ने एक

ट्वीट में बताया ?कि भारत में 6.33 करोड़ से अधिक एमएसएमई हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। पीएनबी एमएसएमई उद्यमियों और उनके व्यवसायों की मदद करने के लिए कई उत्पादों की पेशकश करता है। इस बीच बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े कारोबारी एवं उद्योग संगठन सीआईआई के अध्यक्ष उदय कोटक ने आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत एमएसएमई को ऋण देने में तत्परता के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के बैंक भी जल्दी ही सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बराबरी करने लगेंगे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 20 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत इस योजना की घोषणा पिछले महीने की थी।

सीएम हैल्पलाइन में शिकायत करने वाले हितग्राहियों को बुलाकर कलेक्टर ने की चर्चा

अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

ग्वालियर। सीएम हैल्पलाइन एवं जनसुनवाई के दौरान आम जनों की समस्याओं के जो आवेदन प्राप्त होते हैं उनका निराकरण निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए। आम जनों की समस्याओं के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण को सभी विभागीय अधिकारी सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में यह निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में सीएम हैल्पलाइन के तहत आवेदन करने वाले चयनित हितग्राहियों को भी बुलाकर उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। चार हितग्राहियों को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में बुलाया गया और उनके द्वारा दर्ज कराई गई समस्याओं के निराकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिन हितग्राहियों को बुलाया गया उनमें छात्रवृत्ति, अतिक्रमण, स्वरोजगार तथा बैंक की समस्या के संबंध में था। चारों हितग्राहियों द्वारा सीएम हैल्पलाइन में शिकायत दर्ज करने के बाद उनके प्रकरण का निराकरण होना बताया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हैल्पलाइन में प्रकरण

प्राप्त होते ही प्रथम लेवल पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। लेवल-1 पर ध्यान न देने तथा बिना टीप के लेवल-2 एवं 3 पर पहुँचता है तो लेवल-1 के अधिकारी के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई विभागीय अधिकारी प्रस्तावित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि हैल्पलाइन के तहत प्राप्त प्रकरणों का निराकरण संतोषप्रद किया जाना चाहिए। जिन प्रकरणों में निराकरण होना संभव नहीं हैं उनमें कारण सहित उल्लेख करते हुए टीप अंकित की जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि सीएम हैल्पलाइन एवं जनसुनवाई के तहत जो आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं उनके निराकरण की समीक्षा भी वे अपने विभागीय स्तर पर प्रति सप्ताह अवश्य करें। जिन प्रकरणों में विभाग को अन्य विभाग के सहयोग की अपेक्षा है। ऐसे प्रकरण अंतरविभागीय समन्वय समिति में रखे जाएं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के जो पत्र प्राप्त होते हैं उनका जवाब अनिवार्यतः दिया जाए। जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पत्रों के माध्यम से जो समस्या बताई गई है अथवा जानकारी चाही गई है उसका समय रहते निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन प्रकरणों में निराकरण संभव नहीं हैं उनमें कारण सहित उल्लेख करते हुए जवाब अनिवार्यतः दिया जाए। सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के पत्रों की एक पंजी भी संधारित करें। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि कोविड-19 के कारण राजस्व प्रकरणों के निराकरण में शिथिलता आई है। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिये अभियान चलाया जाए। सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अपने-अपने क्षेत्र में नामांतरण, सीमांकन, बटवारा प्रकरणों के निराकरण हेतु अभियान चलाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। अभियान के दौरान अतिक्रमण के संबंध में भी जो प्रकरण आए हैं उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि शासन द्वारा वन अधिकार पट्टों के निराकरण हेतु अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में जो भी वन अधिकार के पट्टे निरस्त किए गए थे, उनकी समीक्षा कर पुनः पट्टे दिए जाने की कार्रवाई की जाना है। सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में वन अधिकार के पट्टे देने की कार्रवाई निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभायें आयोजित कर पट्टों के अनुमोदन की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, एडीएम श्री टी एन सिंह, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री नरोत्तम भार्गव सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने चीनौर का किया आकस्मिक निरीक्षण

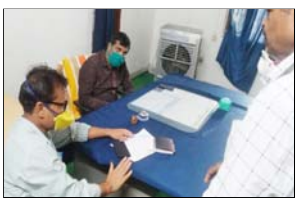

ग्वालियर। जिले के चीनौर में निर्माणाधीन महाविद्यालय का निर्माण कार्य बंद पाए जाने पर कलेक्टर ने की नाराजगी व्यक्त । पीआईयू सेल के कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के दिए निर्देश । निर्माण कार्य कहीं पर भी बंद नहीं रहना चाहिए। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत किए जा रहे निर्माण कार्य पूर्ण गति के साथ चलाए जाएं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को चीनोर क्षेत्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र, तहसील कार्यालय के साथ ही निर्माणाधीन महाविद्यालय का भी अवलोकन किया। इस मौके पर एसडीएम डबरा श्री राघवेन्द्र पाण्डेय, तहसीलदार श्री शिवदयाल धाकड़ साथ में थे। कलेक्टर श्री सिंह ने चीनौर में निर्मित किए गए आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र का पहुँच मार्ग ठीक न पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेंसी को तत्काल पहुँच मार्ग बनाने तथा आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान नव निर्मित तहसील कार्यालय के निर्माण की गुणवत्ता ठीक न पाए जाने पर संबंधित निर्माण एजेन्सी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने तहसील कार्यालय में चलाए जा रहे नामांतरण, बटवारा प्रकरणों के निराकरण अभियान की प्रगति पर भी असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने निर्देशित किया है कि प्रत्येक गाँव में बी-1 का वाचन कराया जाए। वाचन के दौरान जो भी नामांतरण एवं बटवारे के प्रकरण सामने आते हैं उन्हें दर्ज कर निराकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही उन्होंने तहसीलदार को निर्देशित किया

पीएम स्वनिधि योजना के तहत अधिक से अधिक हितग्राहियों को ऋण उपलब्ध कराया जाए

ग्वालियर 29 जून 2020/ शहरी पथ व्यवसाइयों को पुनः रोजगार से जोड़ने एवं स्थाई आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के लिये पीएम स्वनिधि योजना प्रारंभ की गई है। योजना 31 मार्च 2022 तक के लिये बनाई गई है। योजना के अंतर्गत हितग्राही को 10 हजार रूपए की कार्यशील पूँजी का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। जिसमें 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान भारत सरकार व 5 प्रतिशत का ब्याज अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जायेगा। हितग्राहियों को ऋण की वापसी मासिक किस्त के आधार पर एक वर्ष में करनी होगी। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में पीएम स्वनिधि योजनांतर्गत कलेक्ट्रेट कार्यालय में बैंकर्स की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, एलडीएम श्री सुशील कुमार सहित

कलेक्टर ने बैंकर्स की बैठक में दिए निर्देश

विभागीय अधिकारी और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैंकर्स से कहा है कि नोवेल कोरोना वायरस के कारण शहरी पथ व्यवसाइयों को पुनः रोजगार से जोड़ने हेतु पीएम स्वनिधि योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाना है। जिले के सभी बैंकर्स अपने-अपने बैंकों के माध्यम से अधिक से अधिक प्रकरण स्वीकृत करें। उन्होंने यह भी कहा कि ऋण प्रकरणों को स्वीकृत करते समय बैंकर्स सहयोगात्मक रूख अपनाएं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बैंकर्स से कहा कि वे अपनी-अपनी बैंक शाखाओं से लक्ष्य के 25 प्रतिशत प्रकरणों को स्वीकृत कर वितरण की व्यवस्था 30 जुलाई तक सुनिश्चित करें। सभी बैंकर्स यह भी सुनिश्चित करें कि योजना के तहत ऋण छोटे उद्योगों के लिये निम्न आय वर्ग के लोगों को दिया जाना है। ऐसे हितग्राहियों को एक बार ही बैंक में बुलाकर आवेदन स्वीकृत करें और उनके ऋण की राशि स्वीकृत कर वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करें। बैठक में एलडीएम श्री सुशील कुमार ने बताया कि योजना के तहत हितग्राहियों का पंजीयन कर उनके ऋण प्रकरण तैयार किए जाना है। जिले में अब तक 38 हजार से अधिक हितग्राहियों का पंजीयन किया जा चुका है। पंजीयन के पश्चात हितग्राहियों के सत्यापन एवं पथ विक्रेता लायसेंस एवं आईडी कार्ड निर्मित करने का कार्य भी तेजी के साथ किया जा रहा है। पंजीकृत किए गए सभी हितग्राहियों को विभिन्न बैंक शाखाओं के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।

किल कोरोना अभियान एक जुलाई से 15 जुलाई तक

अभियान को प्रभावी रूप से जिले में संचालित किया जाए : कलेक्टर

ग्वालियर। सम्पूर्ण प्रदेश की तरह ग्वालियर जिले में भी किल कोरोना अभियान एक जुलाई से संचालित होगा। अभियान के तहत घर-घर जाकर सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये यह एक महत्वपूर्ण अभियान है। इस अभियान को ग्वालियर जिले में पूरी गंभीरता के साथ चलाया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सोमवार को फ्रकिल कोरोना अभियान के लिये इंसीडेंट कमांडरों के प्रशिक्षण में यह निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले में नियुक्त सभी इंसीडेंट कमांडर उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि अभियान के तहत गठित दल अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वेक्षण का कार्य करेंगे। सभी इंसीडेंट कमांडर अपने-अपने क्षेत्र में इस अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करें। अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों का भी सहयोग लिया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि किल कोरोना अभियानफ्र स्पेशल फीवर स्क्रीनिंग अभियान है।

मुरैना के नगर निगम क्षेत्र में तीन दिन के कर्फ्यू का हुआ एलान, आवश्यक सेवाएं रहेंगी चालू

मुरैना। मुरैना में निरंतर बढ़ रही कोरोना मरीजों की संख्या को देखते हुए मुरैना कलेक्टर ने फैसला लिया है कि 3 दिन कर्फ्यू घोषित रहेगा। कोई व्यक्ति बिना काम के घर से बाहर नहीं आएगा। दुकानें सब्जी मंडी बंद रहेंगे। फल सब्जी दूध पेट्रोल मिलेगा। बैंक के यथावत खुली रहेंगी। यहां बता दें कि चंबल संभाग के मुरैना जिले में कोरोना का कहर हर दिन तेज गति के साथ बढ़ता ही जा रहा है। सोमवार को आई कोरोना की रिपोर्ट में जिले में 58 लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। डीआरडीई की सूची 44 और जीआरएमसी की सूची में 22 कोरोना पॉजिटिव मिल हैं। ग्वालियर चंबल संभाग में सबसे अधिक लोग आज ही मुरैना में कोरोना पॉजिटिव मिले है। मुरैना जिले में कोरोना की संख्या 407 पर पहुंच गई है। मुरैना में बिगड़ते हालातों के बीच आज कलेक्टर ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत अब तीन दिन का कर्फ्यू लगाया गया हे। इस दौरान आवश्यक सेवायें जारी रहेंगी। वहीं मुरैना में सबसे बड़ी दिक्कत कोरोना मरीजों का प्रोपर तरीके से आइसोलेशन भी नहीं होना है।

जन उत्थान न्यास ने 8 परिवारो को विवाह के लिए दी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से 8 परिवारों को पुत्रिओं के विवाह के लिए आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष एवं वरिश्ठ भाजपा नेता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में भेंट की। न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में मंगल सिंह जाटव निवासी बीजासेन मौहल्ला नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री कुॅ. अंजली, रमेषचन्द्र परिहार निवासी गली नं.3 षंकर चौक नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री कुॅ. भावना, सवेन्द्रसिंह राजावत निवासी राजपूत छात्रावास जयेन्द्रगंज को पुत्री कुॅ. सिमरन, विजयसिंह राजे निवासी मेला ग्राउण्ड दुल्लपुर को पुत्री कुॅ.

कुसुम, ओमी साहू निवासी मांडरे की माता केंसर पहाडिया को पुत्री कुॅ. मधु, कालीचरन परिहार निवासी गली नं.1 नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री कुॅ. पूनम, षोभाराम राजे निवासी श्रीनगर कॉलोनी नदी पार टाल को पुत्री कुॅ. षिवानी एवं राकेष मोगिया निवासी ग्रीन फिल्ड स्कूल के पास नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री कुॅ. सपना के विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इन सभी परिवारों का भरण-पोशण दैनिक मजदूरी पर निर्भर रहता है, ऐसे में इन परिवारों के लिए अपनी पुत्रिओं का विवाह करना बहुत मुष्किल हो रहा है। इन सभी परिवारों ने न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी पहुॅचकर डॉ. सिकरवार से मुलाकात की और अपनी परेषानियों से अवगत कराया, जिसके बाद डॉ. सिकरवार ने इन सभी परिवारों को आर्थिक सहायता एवं 20-20 किलो खाद्यय सामग्री प्रदान की। इस मौके पर डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने कहा कि कन्यादान ही महादान हैं, उन्होने कहा कि न्यास का हर संभव प्रयास रहता है कि गरीब, पीडित, षोशित वर्ग की भलाई के लिए अग्रणी भूमिका निभाई जाये और उसमें न्यास भी सफ्ल रहा है। जब भी इन वर्गों को चाहे पारिवारिक विवाह का कार्यक्रम हो, चाहे बीमार पीडित हो सभी वर्गों का सहयोग किया जा रहा है। हमारी संस्था गरीबों की भलाई करने में कभी पीछे नहीं रहती है। इन सभी परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुये डॉ. सिकरवार ने भरोसा दिलाया कि आपका भाई आपकी सेवा के लिए जीवन भर सर्म्पित रहेगा। आर्थिक सहायता मिलने के बाद इन परिवारों ने डॉ. सिकरवार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये उनका स्वागत किया। इस मौके पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के साथ पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रमोद जैन, एड.धीरेन्द्र सिंह चौहान, सहसचिव अवधेष कौरव, जहान सिंह तोमर, प्रचार सचिव सुरेष प्रजापति, देवेष गुर्जर आदि मौजूद रहें।

रैन वाटर हारवेस्टिंग जल संग्रहण के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना ने चलाया अभियान

ग्वालियर। ''जल है तो कल है'' के लिये माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक अनूठी पहल करते हुये जल संरक्षण का अभियान वर्षा से पहले महाविद्यालय में किया गया। वर्षा ऋतु से पहले पानी को व्यर्थ होने से बचाया जा सके। इसके लिये डॉ. संजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में वाटर हारवेस्टिंग (रैन वाटर हारवेस्टिंग) स्वयंसेवकों द्वारा महाविद्यालय परिसर में किया गया। जल प्रकृति का अनमोल तोहफा है जिसकी कीमत हमें ना मिलने के समय समझ में आती है। इस कार्यक्रम में नरेन्द्र कुन्टे अध्यक्ष मध्य भारत शिक्षा समिति, प्राचार्य डॉ. मनोज चतुर्वेदी जिला संगठक रासेयो, ग्वालियर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय, ग्वालियर उपस्थित थे। नरेन्द्र कुन्टे ने बताया कि पानी का मूल्य तब समझ में आता है जब हमें यह मिलता नहीं है और आवश्यक होने पर इसके लिये भटकना पड़ता है तब हमारे जीवन के लिये यह बहुत

उपयोगी होता है। यदि हम अपने घरों का पानी जमीन के अंदर जाने की व्यवस्था कर देते हैं तो यह हमारे ही नहीं अपितु आने वाली पीढियों व समाज के लिये काफी उपयोगी होगा। डॉ. चतुर्वेदी ने स्वयंसेवकों से कहा कि जिस स्थान पर पानी का वाटल लेवल कम है उन लोगों से पूछे कि पानी कितना अनमोल है। जिससे हम सभी पानी का मूल्य समझ उसको बर्बाद करने से रोक सकें तथा पानी का संचय अवश्य करें। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि विशेष शिविरों के दौरान गोद ग्राम बस्ती के आस-पास हम स्वयंसेवक तालाब का गहरीकरण कर पानी संग्रहण का कार्य करते हैं तथा ऐसे स्थान जहाँ पानी बेकार हो रहा है वहां पर सोक्ता गढढे बनाकर पानी का संचय करते हैं जिससे भू-जल स्तर बना रहे और भविष्य में हमारे काम आये। कार्यक्रम में हेमन्त मांझी, यश किरार, अनिरूद्ध शर्मा, अनुभव दीक्षित, अंकुश अरोरा, ऋतिक नरवरे, तरूण रोहिरा, अंकुर चौरसिया आदि लोग उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं [illegible] इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478